डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

अभिनेत्री आकांक्षा वर्मा आधुनिक समाचार को एक झलक देखते हुए...

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाःसलमान पर दिखने लगा लॉरेंस...

वर्ष -09 अंक -57 | प्रयागराज, मंगलवार 02 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक चुनावः मंगलुरु में जद (एस) उम्मीदवार के लिए प्रचार करेंगे देवेगौड़ा

मंगलुरु। जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष एच डी देवेगौड़ा कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए सोमवार को राज्य के दक्षिण कन्नड़ जिले का दौरा करेंगे। देवेगौड़ा पार्टी उम्मीदवार मोहिउद्दीन बावा के लिए मंगलुरु उत्तर निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करेंगे, जो हाल ही में कांग्रेस छोड़कर जद (एस) में शामिल हुए थे। जद(एस) विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) बी एम फारूक ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री सुंकादकट्टे अंबिके अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, बलवंडी देवस्थान और गुरुपुरा कंबाला दरगाह भी जाएंगे। उन्होंने बताया कि उनका गुरुपुर में एक जनसभा को संबोधित करने का भी कार्यक्रम है। ऐसे में जब 8 मई को चुनाव प्रचार समाप्त होने में कुछ ही दिन बचे हैं, 89 वर्षीय देवेगौड़ा राज्यभर में कई रैलियां करने वाले हैं। फारूक ने कहा कि जद (एस) के दूसरे नंबर के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी पांच मई को कृष्णापुरा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। कर्नाटक में 10 मई को मतदान होगा और वोटों की गिनती 13 मई को होगी।

सड़क हादसे में पांच की मौत, पांच घायल

जयपुर। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में रविवार की रात दो कारों के सड़क से उतरकर पेड़ से टकरा जाने से पांच लोगों की मौत हो गयी और इतने ही अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह हादसा भिरानी थाना क्षेत्र में उस समय हुआ जब पीड़ित हरियाणा से गोगामेड़ी मंदिर जा रहे थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश जांगिड़ ने बताया कि दुर्घटना एक मोड़ पर हुई। रात होने के कारण चालक इस मोड़ को देख नहीं पाए। वे तेज गति से चल रही कारों को समय रहते मोड़ नहीं पाए और कारें सड़क से उतरकर पेड़ों से जा टकराईं। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है और पांच अन्य घायल हो गए हैं।

कर्नाटक में राजनीतिक अस्थिरता के लिए 'परिवारवादी' कांग्रेस और जद(एस) जिम्मेदारः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) के प्रति लोगों को आगाह करते हुए आरोप लगाया कि दोनों ''परिवारवादी'' दल कर्नाटक में राजनीतिक अस्थिरता के लिए जिम्मेदार हैं और वे ''भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं''। मोदी ने यह भी आरोप लगाया कि दोनों दलों ने कर्नाटक को 'एटीएम' समझा और अस्थिरता में अवसर देखा। उन्होंने जद(एस) के गढ़ रामनगर जिला स्थित चन्नापटना में एक चुनावी रैली में कहा, ''कांग्रेस और जद(एस) अस्थिरता के लिए जिम्मेदार हैं। वे दिखावे के लिए दो दल हैं, लेकिन दिल से एक हैं। वे दिल्ली में साथ-साथ रहते हैं। संसद में एक-दूसरे का साथ देते हैं।''

चन्नापटना सीट से 2018 के विधानसभा चुनाव में जद(एस) नेता एच डी कुमारस्वामी ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सी पी योगेश्वर को हराया था और फिर से इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस और जद(एस) के खिलाफ अपना हमला जारी रखते हुए मोदी ने कहा, ''दोनों परिवारवादी दल हैं और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। दोनों दल अस्थिरता में अवसर देखते हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा,''लंबे समय से कर्नाटक ने अस्थिर सरकार का नाटक देखा है। अस्थिर सरकारें लूट-खसोट का अवसर उपलब्ध कराती हैं।'' उन्होंने कहा, ''लूट-खसोट के लिए हमेशा लड़ाई होती है और अस्थिर सरकार

में लक्ष्य विकास नहीं होता।''

उन्होंने जद(एस) पर प्रहार करते हुए कहा कि पार्टी ने खुलकर यह घोषणा की है कि 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे चुनाव में यदि उसे 15-20 सीट मिल जाए तो वह 'किंगमेकर' हो जाएगी। मोदी ने कहा, ''यह स्वार्थी रवैया एक परिवार को फायदा पहुंचा सकता है लेकिन यह कर्नाटक के लाखों लोगों को नुकसान पहुंचाएगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि जद(एस) को दिया गया प्रत्येक वोट सीधे कांग्रेस को जाएगा और इससे कर्नाटक में अस्थिरता आएगी। उन्होंने कहा,''जब कांग्रेस और जद(एस) सत्ता में आएगी, कुछ परिवारों को फायदा होगा लेकिन भाजपा के लिए भारत और कर्नाटक का प्रत्येक परिवार पार्टी का अपना परिवार है।''

मोदी ने दावा किया, ''जब भाजपा की 'डबल इंजन सरकार' सत्ता में आई तब रामनगर में तीन लाख लोगों के बैंक खाते खोले गये। यहां 2.5 लाख परिवारों का बीमा किया गया, 50,000 लोग अटल पेंशन योजना के पात्र बने और 7,000 पक्के मकानों को मंजूरी दी गई।'' मोदी ने आरोप लगाया, ''कांग्रेस विश्वासघात की पर्याय है। इसने किसानों को धोखा दिया। कांग्रेस अपनी ऊर्जा एक ऐसी प्रणाली बनाने में लगाती है जो किसानों को कर्ज के बोझ तले दबा देगा और फिर वह रिण माफी किया करती है।'' प्रधानमंत्री ने दावा किया कि 2008 में कांग्रेस ने एक फर्जी कर्ज माफी की घोषणा की। उन्होंने कहा,''यह कर्ज माफी केवल उन लोगों के लिए थी जो कांग्रेस से संबद्ध थे।''

मोदी ने सवाल किया, ''जब करोड़ों सीमांत किसानों के पास बैंक खाते नहीं थे और जिनके लिए बैंकों के दरवाजे नहीं खुले थे, तब कर्ज माफी की घोषणा किये जाने के बाद इन सीमांत किसानों को कैसे फायदा हुआ था।'' उन्होंने दावा किया, ''किसानों को खुले बाजार में साहूकारों से पैसे लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। कर्ज माफी का फायदा किसानों तक नहीं पहुंचा, बल्कि उनके (कांग्रेस से जुड़े लोगों के) भाइयों और रिश्तेदारों तक पहुंचा।'' उन्होंने कहा, ''पैसा भ्रष्ट लोगों को मिला। सच्चाई यह है कि 10 प्रतिशत किसानों की कर्ज माफी नहीं हुई।'' मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेता 'झूठी गारंटी योजनाओं के साथ घूम रहे हैं' लेकिन सच्चाई यह है कि उनके वादे झूठ का पुलिंदा हैं। कर्नाटक में बीते दो दिनों में यह मोदी की पांचवीं जनसभा थी। राज्य में 10 मई को मतदान है और मतगणना 13 मई को होगी।

हिंसा प्रभावित कालियागंज में जनजीवन धीरे-धीरे हो रहा सामान्य

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर जिले के हिंसा प्रभावित कालियागंज में जनजीवन सामान्य हो गया है। हालांकि, कानून- व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। कालियागंज में नहर से एक लड़की का शव मिलने के बाद हिंसक प्रदर्शन करते हुए स्थानीय लोगों ने थाने में तोड़फोड़ की थी। पुलिस की कथित गोलीबारी में एक

व्यक्ति की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीन दिन पहले सुरक्षा उपाय के तौर पर कालियागंज के कुछ हिस्सों में बंद की गई इंटरनेट सेवा रविवार शाम छह बजे बहाल कर दी गई। हालांकि, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''पिछले दो दिनों में स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हुआ है। बाजार और दुकानें खुली हैं और हमने इंटरनेट सेवाएं बहाल करने का फैसला किया है। हालांकि, निषेधात्मक आदेशों को रद्द करने पर निर्णय समीक्षा के एक और दौर के बाद लिया जाएगा।'' ट्यूशन क्लास के लिए घर से निकलने के बाद लापता हुई लड़की का शव 21 अप्रैल को नहर में मिला था। लड़की के परिवार ने आरोप लगाया कि उससे बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। लड़की के पिता ने 20 वर्षीय एक युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। लड़की के शव के पोस्टमॉर्टम में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई। लड़की के परिवार ने मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने का अनुरोध करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया है। पुलिस की ''निष्क्रियता'' के विरोध में प्रदर्शनकारी भीड़ ने कालियागंज थाने में तोड़फोड़ की थी।

कर्नाटक के लिए बीजेपी ने जारी किया घोषणा पत्र, जनता के लिए की है ये घोषणाएं

चुनावी राज्य कर्नाटक में सत्तारूढ़ दल बीजेपी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र में बीजेपी ने जनता की सुविधा के लिए कई तरह की घोषणाएं की

है। बीजेपी ने इस घोषणा पत्र को 'प्रजा ध्वनि' नाम दिया है, जिसमें यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की घोषणा भी की है। कर्नाटक में 10 मई को मतदान होना है जिसके बाद 13 मई को नतीजे आएंगे।

इस घोषणा पत्र को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, सीएम बोम्मई और पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने जारी किया है। संकल्प पत्र जारी करने के मौके पर जेपी नड्डा कहा कि हम पहले की तरह ही एक बार फिर किए हुए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पार्टी की घोषणा के मुताबिक गरीब लोगों को राज्य में 10 लाख घर उपलब्ध कराए जाएंगे। सामाजिक न्याय निधि स्कीम के तहत एससी-एसटी महिलाओं के लिए पांच वर्षों तक 10 हजार रुपये की एफडी करवाई जाएगी। पार्टी ने यूनिफॉर्म सिविल कोड को खासतौर से ध्यान में रखा है। पार्टी का घोषणा पत्र जारी करते हुए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि राज्य के विकास में मेनिफेस्टो को ध्यान में रखना जरुरी है। हमारा विश्वास मजबूत राज्य में है। मजबूत केंद्र ही मजबूत राज्य की नींव है। आज जो घोषणा पत्र जारी हुआ है वो जनता का है, जिसे सुधाकर एंड टीम ने तैयार किया है। घोषणा पत्र बनाने के लिए जनता और विशेषज्ञों से राय ली गई है।

ये हैं संकल्प पत्र की प्रमुख बातेंः - कर्नाटक में बीजेपी की सरकार बनने पर यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होगा - प्रदेश के हर वार्ड में अटल आहार केंद्र स्थापित किया जाएगा - बीपीएल परिवारों को तीन सिलेंडर निशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे - बीपीएल परिवारों को सरकार आधा लीटर नंदिनी दूध मुफ्त में मुहैया कराएगी - किसानों को बीज के लिए दस हजार रुपये दिए जाएंगे - गरीब परिवारों को पांच किलो चावल और 5 किलो मोटा अनाज मुहैया कराया जाएगा।

जंतर मंतर पर जाकर महिला पहलवानों के मन की बात सुनें प्रधानमंत्री मोदीः सिब्बल

नयी दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जंतर-मंतर जाकर प्रदर्शनकारी महिला पहलवानों के ''मन की बात'' सुनने का अनुरोध करते हुए कहा कि इस तरह के कदम साबित होगा कि प्रधानमंत्री उनके दर्द को समझने को तैयार हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल पहलवानों की ओर से उच्चतम न्यायालय में पैरवी कर रहे हैं। उनकी टिप्पणी मोदी के मन की बात रेडियो कार्यक्रम की 100वीं कड़ी के प्रसारण के एक दिन बाद आयी है। सिब्बल ने ट्वीट किया, ''मोदी जीः आपके 100वें मन की बात कार्यक्रम के लिए बधाई। मोदी जी, यदि आपके पास समय हो तो कृपया जंतर-मंतर जाएं और प्रदर्शनकारी महिला पहलवानों के मन की बात सुनें। उन्होंने कहा, ''यह दिखाएगा कि हमारे प्रधानमंत्री उनके दर्द को समझने को तैयार हैं।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 4,282 नए मामले

नयी दिल्ली। देश में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 4,282 नए मामले सामने आए वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 47,246 रह गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकडों से यह जानकारी मिली है। सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकडों के अनुसार संक्रमण से 14 और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,31,547 हो गई है। वहीं, संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में छह नाम और जोड़े हैं। रविवार को देश में संक्रमण के 5,874 मामले सामने आए, वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या 49,015 थी।

सोमवार को दैनिक संक्रमण दर 4.92 प्रतिशत रही वहीं साप्ताहिक संक्रमण दर चार प्रतिशत रही। कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामले 4.49 करोड़ पर पहुंच गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार उपचाराधीन मामले संक्रमण के कुल मामलों का 0.11 प्रतिशत है वहीं संक्रमण से ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.71 प्रतिशत है। आंकडों के अनुसार संक्रमण से ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,43,70,878 हो गई है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार देशव्यापी

टीकाकरण अभियान की शुरुआत से अब तक टीकों की कुल 220.66 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

रेवाड़ी में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़,चार अपहृत छुड़ाए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में जींद पुलिस ने रेवाड़ी स्थित राजस्थान बॉर्डर के पास जयसिंहपुर में बदमाशों से मुठभेड़ के बाद अपहृत किए गए

चार लोगों को छुड़ा लिया। पुलिस ने बताया कि चारों लोगों को बंधक बनाकर उनके परिजनों से फिरौती मांगी गई थी। पुलिस के मुताबिक दोनों तरफ से गोलीबारी के दौरान एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। हालांकि, बदमाश गाड़ी छोड़कर राजस्थान की तरफ भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने बताया कि अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुड़ाए गए लोगों में से दो लोग जींद के तो दो लोग रतिया के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि छुड़ाए गए जींद निवासी सतीश नाम के एक व्यक्ति पर छह-सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुमित कुमार मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। सुमित कुमार ने बताया कि मुठभेड़ के बाद बदमाशों के चंगुल से अपहृत किए गए चार लोगों को छुड़ाया गया है, लेकिन मुठभेड़ के दौरान राजसिंह गांव निवासी देवानंद गोली लगने से घायल हो गये। इसके पहले राजेंद्र नगर निवासी ज्योति ने पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि पेशे से चालक उसका पति सतीश 26 अप्रैल को घर से निकला था, लेकिन उसका अपहरण कर लिया गया। उसने शिकायत में कहा कि अहरणकर्ता उसे छोड़ने के बादले पांच लाख रुपये की मांग कर रहे हैं और पैसे नहीं देने पर सतीश को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस ने बताया कि अपहृत लोगों में सतीश के अलावा गांव कंडेला निवासी मनजीत, रतिया निवासी जगदीश तथा राजसिंह शामिल थे।

नवी मुंबई में नाइजीरियाई नागरिक गिरफ्तार, 11.6 लाख रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त

ठाणे। पुलिस ने नवी मुंबई में एक नाइजीरियाई नागरिक के पास से 11.6 लाख रुपये मूल्य का प्रतिबंधित मादक पदार्थ मेथाक्वालोन बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर नवी मुंबई पुलिस के मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ ने शनिवार को तलोजा इलाके में एक फ्लैट पर छापा मारा। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि उन्होंने नाइजीरियाई नागरिक बोनिफेस एमेनिके (45) को पकड़ा तथा उसके पास से 116 ग्राम मेथाक्वालोन बरामद किया। अनुसार पूछताछ के दौरान यह पता चला कि आरोपी के पास भारत में रहने तथा यात्रा करने के लिए कोई वीजा या पासपोर्ट नहीं है। उस पर स्वापक एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, पासपोर्ट कानून तथा विदेशी कानून के संबंधित प्रावधानों में मामला दर्ज किया गया है।

केंद्र सराकर का बड़ा फैसला, आतंक फैलाने वाली 14 पाकिस्तानी ऐप को किया बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने पाकिस्तान की कई ऐप्स के विरुद्ध बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने आईबी के द्वारा मिले इनपुट के बाद पाकिस्तान से संचालित होने वाली 14 मैसेजिंग ऐप्स को बैन कर लिया है। इन ऐप्स का उपयोग जम्मू कश्मीर में बड़े पैमाने पर आतंक फैलाने के लिए किया जाता था। इसे लेकर खुफिया एजेंसियों ने आईबी को जानकारी दी थी।

सूत्रों के अनुसार इन मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग कश्मीर में आतंकवाद को फैलाने के लिए किया जाता था। इन ऐप्स का उपयोग आतंकवादी अपने समर्थकों और अंडरग्राउंड वर्कर्स के साथ संवाद करने के लिए करते थे। इसका मुख्य उद्देश्य आंतकवाद फैलाना ही था, जिस कारण सरकार ने इन ऐप्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है।

जानकारी के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियां आतंकवादियों द्वारा आपस में संवाद करने के लिए उपयोग

होने वाले चैनलों पर कड़ी नजर रखती है। इन्हें संचार माध्यमों को ट्रैक किया जाता है। एजेंसियों के मुताबिक मोबाइल एप्लिकेशन के प्रतिनिधि भारत में नहीं है ऐसे में इन्हें ट्रैक करना काफी मुश्किल हो जाता है मगर कड़ी मेहनत के बाद इन एप्स के बारे में जानकारी जुटाई गई।

फिर ऐसी ऐप्स की सूची बनाई गई जिन्हें प्रतिबंध करना था क्योंकि वो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती है और भारतीय कानून का पालन नहीं करती है। जानकारी के अनुसार आतंकी इन मोबाइल मैसेंजर ऐप का उपयोग संदेश फैलान के लिए और पाकिस्तान से संदेश हासिल करने के लिए किया करते थे। इन ऐप्स को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के तहत ब्लॉक किया गया है।

बता दें कि ये कोई पहला मौका नहीं है जब भारत सरकार ने देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसा बड़ा फैसला किया है। देश की सुरक्षा को खतरा पैदा करने वाले ऐप्स के खिलाफ पहले ही केंद्र सरकार कार्रवाई कर चुकी है। इससे पहले सरकार ने कई बार चीनी मोबाइल ऐप्स को बैन किया है। बीते कई वर्षों के दौरान भारत सरकार ने देश की संप्रभुता और अखंडता, भारत की रक्षा, राज्य की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से चीन की लगभग 250 ऐप्स के खिलाफ ऐसी ही सख्त कार्रवाई करते हुए उन पर प्रतिबंध लगाया था। जानकारी के मुताबिक केंद्र सरकार ने इनपुट मिलने के बाद कुल 14 ऐप्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। केंद्र ने जिन ऐप्स पर बैन लगाया है उनमें क्रीपवाइजर, एनिग्मा, सेफस्विस, विकरमे, मीडियाफायर, ब्रियर, बीचैट, नंदबॉक्स, कॉनियन, आईएमओ, एलिमेंट, सेकेंड लाइन, जांगी और थ्रेमा शामिल हैं।

जूही एवं जनसहयोग से सर्व जातीय कन्या सामूहिक विवाह सकुशल संपन्न

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।त्रिवेणी संगम सेवा समिति, महेवा, प्रयागराज एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं सहित विशिष्टजनों के सहयोग से द्वादश कन्याओं का सामूहिक विवाह अत्यंत ही भव्यता एवं दिव्यता के साथ महेवा स्थित अतिथि गृह में संपन्न हुआ,कार्यक्रम का शुभारंभ द्वारचार से हुआ, जिसमें मंच संचालक प्रदेश सचिव दिनेश यादव एवंकामनी गुप्ता जी ,प्रदेश अध्यक्ष विनोद दुबे ने सभी 12 जोड़ी वर-वधू को जयमाल करवाकर किया तत्पश्चात् मंत्रोच्चार के साथ फेरे दिलवाकर विवाह सम्पन्न करवाया।

वैवाहिक कार्यक्रम में जूही सेवा संस्थान की अध्यक्ष एवं महिला सशक्तिकरण की प्रतीक जूही श्रीवास्तव ने बताया कि आज समाज में ऐसे सामूहिक विवाह अथवा आयोजनों की नितांत आवश्यकता है क्योंकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के लिए वरदान सिद्ध होगा! विशिष्ट अतिथि किन्नर अखाड़ा की महामण्डलेश्वर कल्याणीनंद गिरि 'टीना माँ'वरिष्ठ समाज सेवी डा0बी0के0 कश्यप,सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाज सेवी संतोष कुमार तिवारी ने मंच संचालन करते हुए बताया कि, समाज में निर्धन व अक्षम परिवारों के बेटियों के सामूहिक विवाह के लिए हम सभी संकल्पित है और ऐसे आयोजन के माध्यम से अगले वर्षों में और अधिक बेटियों को सामूहिक विवाह के लिए आमंत्रित करेंगे,संस्था के सचिव एवं माँ गंगा की स्वच्छता हेतु संकल्पित कुंवर जी तिवारी ने बेटियों के विवाह के लिए और अधिक सहयोग करने का संकल्प लिया, मुख्य सहयोगी संस्था सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान अरैल नैनी प्रयागराज द्वारा आए बरातियों का स्वागत एवं सत्कार किया गयात्वैवाहिक कार्यक्रम में मुख्य अवधेश निषाद, सीता निषाद, डा0श्यामदेव, विनोद कुमार जायसवाल,सुधा मिश्रा, शिखा खन्ना, जूही सेवा संस्थान के सभी पदाधिकारियों एवं वहां उपस्थित सभी कि जूही श्रीवास्तव ने सभी का आभार प्रकट किया!

यौन शोषण में इविवि के तीन प्रोफेसरों के खिलाफ़ गैर-ज़मानती वारंट जारी

यूनिवर्सिटी की ही असिस्टेंट प्रोफ़ेसर ने दर्ज़ कराई थी रिपोर्ट

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। इविवि के तीन प्रोफेसरों के खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। तीनों के खिलाफ इविवि की शिक्षिका ने 2016 में छेड़खानी और एससी-एसटी एक्ट में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसी केस में कोर्ट गिरफ्तारी करने के लिए आदेश जारी हुआ है। इनमें दो प्रोफेसर सेवानिवृत्त हो चुके हैं। अब पुलिस इस प्रकरण में तीनों पर कार्रवाई करने की तैयारी कर चुकी है। इविवि में पढ़ाने वाली शिक्षिका ने चार अगस्त 2016 को तत्कालीन अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. मनमोहन कृष्ण, प्रो. प्रहलाद कुमार और जावेद अख्तर के खिलाफ छेड़खानी, गाली देने, धमकी देने और एससी-एसटी एक्ट के तहत कर्नलगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

आरोप लगाया था कि प्रोफेसर उन्हें अपमानित करते हैं। आरोप था कि चार अगस्त 2016 को विभागाध्यक्ष ने अपने कक्ष में बुलाकर उसे एक घंटे तक खड़ा करे रखा और उसे घूरते रहे। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। महिला आयोग में शिकायत करने पर धमकी दे रहे थे। कर्नलगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू की। इस बीच आरोपियों को हाईकोर्ट से राहत मिल गई। इसके कारण पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया। जांच पूरी करके विवेचक ने आरोप पत्र दाखिल कर दिया। इधर, प्रोफेसर फर्जी आरोप बताने में लगे थे।

बताया जा रहा है कि हाईकोर्ट के आदेश की समय सीमा समाप्त हो गई। इस बीच कोर्ट ने इस केस को संज्ञान में ले लिया। तीनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया।

स्वरूप रानी की कुव्यवस्था ने ले ली गरीब की जान

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। थाना अंतर्गत ढकपूरा गांव का मेहनतकश राजकुमार उर्फ राजू उम्र 25 वर्ष पुत्र स्वर्गीय बसंत लाल जो शनिवार की सुबह 8 बजे गांव से बाइक द्वारा फूलपुर की ओर जा रहा था। तभी मलकापुर गांव के सामने विपरीत दिशा से आ रही डम्फर ने टक्कर मार दी। जिससे उसके सिर में गंभीर चोट के कारण तत्काल स्वरूपरानी चिकित्सालय भेजा गया। जहां अस्पताल कर्मियों की कथित लापरवाही से इमरजेंसी वार्ड के सामने देर शाम तक पड़ा रहा। घर वालों ने कहीं से फोन कराया तब वार्ड में शाम 7 बजे

एडमिट किया गया। वह भी मात्र ग्लूकोज की बोतल लटका दी गई। समाचार पत्रों में जब खबर छपी कटिंग जिलाधिकारी व सीएमओ को भेजी गई तब थोड़ा बहुत इलाज चालू किया। परंतु सोमवार सुबह तीसरे दिन घायल राजू ने दम तोड़ दिया। परंतु बिना पीएम के अस्पताल कर्मियों ने बाहर कर दिया। परिजन फूलपुर थाना लाए जहां तहरीर के आधार पर मीडिया कर्मियों ने प्रभारी निरीक्षक यशपाल सिंह से मुकदमा लिखकर पीएम हेतु भेजने का आग्रह किया। तब पुनः फूलपुर थाने से राजू का शव पीएम हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। मृतक के दो छोटे अबोध बच्चे हैं माता-पिता पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है। क्योंकि घर का खर्च उठाने वाला चला गया।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री गोपाल विद्यालय के संस्थापक स्व0 विश्वनाथ प्रताप सिंह की चेन्नई में लगेगी मूर्ति

प्रयागराज। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम0के0 स्टालिन ने विधानसभा तमिलनाडु में देश आठवें प्रधानमंत्री स्व0 विश्वनाथ प्रताप सिंह की विशालकाय मूर्ति चेन्नई में लगाने का निर्णय लिया है। तमिलनाडु मुख्यमंत्री एम0के0 स्टालिन के इस निर्णय को विधानसभा के समस्त सदस्यों जिसमें सत्ता पक्ष एवं विपक्ष ने सही निर्णय बताया और खुशी जाहिर की है। एम के स्टालिन ने विधानसभा में बताया कि स्व0 विश्वनाथ प्रताप सिंह भारत के पूर्व प्रधानमंत्री रहे हैं और हमेशा देश के पिछड़ों एवं दलितों के उत्थान के लिए कार्य किया है। उन्हें सामाजिक न्याय का मसीहा बताते हुए उनके प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए तमिलनाडु सरकार ने उनकी मूर्ति लगाने की घोषणा की है।

नगर की बेटी पूजा चतुर्वेदी को मिल रहा जनता का भरपूर समर्थन

प्रयागराज।जैसे जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है वैसे वैसे चुनावी सरगर्मियां बढ़ती जा रही है। जहां समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता मेजा विधायक संदीप पटेल पूर्व विधायक परवेज अहमद टंकीवाले अंशार,पहलवान बिजमा यादव,उज्जवल रमण सिंह, जिला अध्यक्ष पप्पू लाल निशाद, अमर नाथ मौर्या ने कोरांव की कमान संभाली है। वही नगर पंचायत चुनाव में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एक जुट होकर मतदाताओं के साथ प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूजा चतुर्वेदी का हौसला बुलंद करते हुए लोगों के साथ जनसंपर्क में जीते हुए हैं। वहीं कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए पूजा चतुर्वेदी ने कहा की मुझे जो जनता जनार्दन का प्यार दुलार मिल रहा है वो सपाई कार्यकर्ताओं के मेहनत और लगन को दरसाता है। पूजा चतुर्वेदी ने कहा जनता इस बार बदलाव करना चाहती हैचुनावी समर में कुद कर चुनाव की दिशा को ही समाजवादी के रूप में परिवर्तित कर दिया है वहीं एक तरफ पूर्व जिला पंचायत सदस्य किसान नेता लल्लन सिंह पटेल तो दूसरी तरफ जिला पंचायत सदस्य पिंटू चौबे प्रचार में जुटे

हुए हैं जिला पंचायत सदस्य सपा नेता सोमदत्त पटेल विशेष कर नौजवानों की टोली लेकर नौजवानों से समाजवादी पार्टी प्रत्याशी पूजा चौबे को मतदान करने की अपील कर रहे हैं। रामदेव निडर कोल नरेश वर्मा दिनेश पटेल पवन सिंघाल,रविन्द्र जैशल पवन सोनकर,मनिश जायसवाल,राजेश पाण्डेय ने प्रचार की कमान संभाली है वही अल्पसंख्यक समाज मेहताब खान,सहादत अली नौशाद अंसारी,शफात अली नन्हे सभासद,गूलजार मुस्तफा,जलालुद्दीन हारुन,राजू वकील के साथ सैकड़ों अल्पसंख्यक टोली बध्य तरीके से समाजवादी प्रत्याशी के समर्थन में जनता से परिवर्तन की अपील करते दिखाई दे रहें हैं। वही विनम्रता पूर्वक राजू चौबे घर घर जाकर मतदाताओं से विकास सम्मान तथा भ्रष्टाचार मुक्त टाऊन एरिया बनाने की अपील कर रहे हैं। वहीं उन्होंने जनसंम्पर्क के दौरान कहा की मौजूदा सरकार अनेकों प्रकार के रुमर फैला कर विकास के मुद्दों से जनता का ध्यान भटका रही है। लेकिन हम समाजवादी लोग किसी भी नाकाम कोशिशों को कामयाब नही होने देंगे आगामी 4 मई को साइकिल पर मोहर लगाकर प्रत्याशी पूजा चौबे को नगर पंचायत कोरांव की जनता भारी मतों से विजई बनाने काम करेगी। इसी क्रम में आगे उन्होंने कहा की इतने साल आपने ऐसे लोगों को दिए जो विकास नाम से भी कतराते है अबकी हमें अवसर देकर देखिए कोरांव का चौमुखी विकास करूंगा और जनता से सिर्फ वादा नहीं कर रहा हूं कहा किस समस्या का समाधान कैसे कर सकूंगा वो देख रहा हूं। बड़े बुजुर्गों का अपने माता पिता की तरह आशीर्वाद ले रहा हूं और जनता का भरपूर प्यार दुलार और आशीर्वाद मिल रहा है।

मतदाता सूची में दो वार्डों में मिली खामियां चार बूथ को किया गया समाप्त चुनाव आयोग ने दिए निर्देश

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। शहर में चार मई को नगरञनिकाय का चुनाव होने जा रहा है। चुनाव के चार दिन पहले मतदाता सूची में बड़ी खामियां मिली हैं। यह मामला नैनी क्षेत्र का है, जहां दो वार्ड में लापरवाही मिली है। राज्य

निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद अब चार बूथों को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है जबकि दो वार्डों के दो बूथों के मतदाता सूची दो दिनों में बदल दी गई है। अब यहां नई मतदाता सूची प्रिंटेड नहीं बल्कि मैनुअल ही होंगे, उसी आधार पर मतदान कराए जाएंगे। इस तरह की मनमानी मतदाता सूची तैयार करने वाले संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने बताया कि जो खामियां मिली थी उसे दुरुस्त करा दी गई है। यह लापरवाही वार्ड संख्या चार नीबी तालुका खुर्द तथा वार्ड संख्या आठ तेंदुआवन की मतदाता सूची में की गई है। वार्ड संख्या चार में नीबी तालुका खुर्द गांव के पड़ोस में स्थित बलापुर गांव के सिर्फ एक मजरे को परिसीमन के अनुसार शामिल करना था लेकिन यहां पूरे गांव बलापुर गांव को ही इसमें शामिल कर लिया गया है।

गोपाल विद्यालय के छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा में गोपाल विद्यालय इण्टर कालेज कोरांव प्रयागराज के छात्र छात्राओं ने सर्वाधिक अंक प्राप्त किए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्ध समिति उपाध्यक्ष रुद्र नारायण बाजपेई ने

समस्त छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। प्रधानाचार्य डॉ साबिर अली ने बताया कि हिन्दी माध्यम के दिव्या सिंह, देवांशू जायसवाल आस्था सिंह तथा अंग्रेजी माध्यम से सौरभ पाण्डेय ने जिले स्थान प्राप्त किया। हिन्दी माध्यम में कक्षा 12 में श्रद्धा पाण्डेय प्रथम, विकाश सिंह द्वितीय और अनामिका सिंह तृतीय साथ ही अंग्रेजी माध्यम में आलोक मिश्रा प्रथम, अनामिका केशरी द्वितीय, पूनम जायसवाल तृतीय ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा0 सन्त लाल मौर्य ने बताया कि कक्षा 10 और 12 में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले सर्वाधिक छात्र छात्राए हैं जिसमें अमृता सिंह, शिवराम मिश्रा, आस्था सिंह, प्रीति मौर्या, रिया सिंह, मनोज कुमार कुशवाहा, आकांक्षा सिंह, सोनी, स्वेता शुक्ला, आनंद सिंह, श्रेया गौड़, तनय शुक्ला, आशीष तिवारी के अलावा अन्य छात्र छात्राएं भी हैं। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष बृजेश श्रीवास्तव, राजेश कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, गोविन्द मिश्रा, अखिलेश पाण्डेय और अंग्रेजी माध्यम के समस्त अध्यापक अध्यापिका उपस्थित रहे।

इफको फूलपुर ठेका मजदूरों ने मनाया मजदूर दिवस

8 घण्टे की ड्यूटी को बढ़ाकर 10 से 12 घण्टे पुनः कर रही है सरकारे- डॉ कमल उसरी

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। इफको फूलपुर ठेका मजदूर संघ सम्बद्ध ऐक्टू द्वारा आज शाम 5 बजे बिरकाजी स्थित कार्यालय पर शिकागो के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। मई दिवस को सम्बोधित करते हुए ऐक्टू राष्ट्रीय सचिव व इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ कमल उसरी ने कहा कि अमेरिका के शिकागो शहर में मजदूरों ने 1886 में आत्मबलिदानी संघर्ष के जरिए 'आठ घंटे काम का दिन' का आधिकार हासिल करने के लिए पहली बड़ी हड़ताल संगठित की थी। तब पूंजीपति अपने यहां कार्यरत मजदूरों से 12 से लेकर 16 घण्टे तक काम लेकर उनका भारी शोषण करते थे। इस ऐतिहासिक हड़ताल का वहां की पूंजीवादी सरकार ने भारी दमन किया। 3 और 4 मई को हड़ताली मजदूरों पर गोलियां चलाई गईं। 6 मजदूर इस गोलीकांड में शहीद हुए तथा 200 से ज्यादा मजदूर घायल हुए। 7 प्रमुख मजदूर नेताओं को गिरफ्तार किया गया और एक बाद में स्वयं अपने साथियों का साथ देने के लिए कोर्ट में हाजिर हुए। जिनमें से मजदूर नेता अलवर्ट पार्सन्स, अगस्त स्पाइस, जार्ज एंजेल और अडालफ फिशर को 11नवंबर 1887 को फांसी पर लटका दिया गया । एक मजदूर नेता लूई लिंग ने पूँजीवादी सरकार की फांसी पर चढ़ने के बजाए पहले ही खुद को बम उड़ा लिया। सैमुअल फीलडन

व माईकल शाअब को उम्र कैद की सजा दी गई।

आज 8 घण्टे की ड्यूटी को बढ़ाकर पुनः 10 से 12 घण्टे कर रही है सरकारें। इफको फूलपुर ठेका मजदूर संघ मंत्री कॉम त्रिलोकी पटेल ने कहा कि आज के हालत 1886 से कम बदतर नहीं है। इन 137 वर्षों में दुनिया के मजदूरों ने अपने ऐतिहासिक संघर्ष और भारी कुर्बानियों के बल पर 8 घंटे की ड्यूटी, न्यूनतम वेतन कानून, सामाजिक सुरक्षा जैसे तमाम श्रम अधिकार हासिल किए थे, आज की पूंजीपति परस्त सरकारें उन अधिकारों को खत्म करने पर लगी हैं। भारत में भी 44 श्रम कानूनों को खत्म कर नरेंद्र मोदी सरकार ने चार श्रम कोड में तब्दील कर दिया है। इसके जरिये 8 घण्टे की ड्यूटी, न्यूनतम वेतन कानून जैसे तमाम श्रम अधिकारों को खत्म कर पूंजीपतियों को मजदूरों के खुले शोषण की छूट दे दी है। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का लगातार निजीकरण किया जा रहा है। मजदूरों के वर्षों के संघर्ष से प्राप्त श्रमिक अधिकारों को ख़त्म कर रही है वर्तमान सरकार,

मजदूर दिवस की अध्यक्षता कॉम विजय सिंह- अध्यक्ष -इफको फूलपुर ठेका मजदूर संघ व संचालन कॉम त्रिलोकी नाथ- मंत्री इफको फूलपुर ठेका मजदूर संघ ने किया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से इफको फुलपुर ठेका मजदूर संघ उपाध्यक्ष- त्रिभुवन नाथ, कोषाध्यक्ष- फूलचंद प्रजापति, प्रचार मंत्री- जगदीश कुमार, कार्यालय मंत्री- राजनाथ सेकेंड, संगठन मंत्री- अमर सिंह, उपमंत्री मनोज कुमार, रामचंद्र गौतम, नान्हू दास, राजेश पटेल, श्याम बहादुर, कमल सिंह, बंशीलाल इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

जंगल के पेड़ पर लटकता मिला वृद्ध का शव क्षेत्र में सनसनी

आधुनिक समाचार सेवा

डाला,सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोटा के टोला पतगड़ी के जंगल मे आज सोमवार संदिग्ध परिस्थितियों में एक पेड़ से वृद्ध का शव लटकता मिलने से क्षेत्र में सनसनी मच गया। मिली जानकारी के अनुसार भगवान सिंह पुत्र स्व0 रामनाथ निवासी पतगड़ी, उम्र लगभग 60वर्ष का उसके घर से लगभग दो सौ मीटर दूर जंगल मे एक पेड़ से लटकता मिलने से क्षेत्र में सनसनी मच गया।

मृतक का पुत्र विजय लाल ने बताया कि लगभग पन्द्रह दिनों से मेरे पिता की दिमागी हालत ठीक नही चल रहा था और ये लगभग पाँच दिन पहले कही चले भी गए थे लेकिन वह घर वापस अपने से चले आए लेकिन रविवार को लगभग बारह बजे शौच के लिए कह कर घर से निकले थे और जब शाम तक नहीं आए तो खोजबीन भी किया लेकिन पता नही चला सोमवार को सुबह इस जंगल से एक व्यक्ति गुजर रहा था कि उसी ने देखा और बताया कि एक आदमी पेड़ से लटक रहा है।

इस घटना की सूचना चोपन थाना व डॉयल 112 न0 को कर दी गई थी। सूचना पर पहुचीं चोपन पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शाही ईदगाह पक्ष की याचिका लौटाई, मथुरा कोर्ट में नए सिरे से होगी सुनवाई

आधुनिक समाचार सेवा

मथुरा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को मथुरा के शाहीर्ईदगाह ट्रस्ट और यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की याचिका को वापस कर दिया है। कोर्ट ने मथुरा के जिला जज को पूरे मामले की नए सिरे से सुनवाई के आदेश दिए हैं। जस्टिस प्रकाश पडिया की अदालत ने फैसला सुनाया।

मथुरा स्थित शाही ईदगाह और श्रीकृष्ण विराजमान के बीच भूमि विवाद को लेकर दाखिल याचिका को खारिज करने के मामले पर सुनवाई हुई। बता दें कि शाही ईदगाह ट्रस्ट, उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और भगवान श्रीकृष्ण विराजमान की बहस पूरी होने के बाद फैसला 17 अप्रैल को सुरक्षित कर लिया गया था। फैसला 24 अप्रैल को आना था, लेकिन उस दिन भी अगली डेट एक मई लग गई। मथुरा कोर्ट में श्रीकृष्ण विराजमान की तरफ एक वाद दाखिल किया गया था। हरि शंकर जैन ने बताया कि मथुरा कोर्ट में उनके द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की 13.37 एकड़ भूमि मुक्त कराने की मांग की गई थी। इसी वाद के खिलाफ शाही ईदगाह पक्ष हाईकोर्ट गया था। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट शाही ईदगाह पक्ष द्वारा उनके मथुरा कोर्ट में दाखिल वाद को खारिज करने की मांग को लेकर याचिका पर फैसला आया। इससे पहले मथुरा कोर्ट में चल रहे मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगी थी। जिसे इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हटा दिया। अब मथुरा कोर्ट में श्रीकृष्ण विराजमान की तरफ से दाखिल वाद पर नए सिरे से सुनवाई होगी। अधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने यह कहते हुए रोक हटाने की मांग की थी कि मूल वाद पर समन जारी किया गया है। यह कार्यवाही अंतरिम आदेश को लेकर है। दोनों पक्षों की तरफ से जवाबी दावे प्रतिदावे दाखिल किए जा चुके हैं। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया था। पहले यह फैसला 24 अप्रैल को ही आना था। बाद में इसे एक मई तक बढ़ा दिया गया। आज हाइकोर्ट ने स्टे हटा दिया।

एनटीपीसी सिंगरौली, शक्तिनगर में अभिनंदन समारोह आयोजित

आधुनिक समाचार सेवा

एनटीपीसी सिंगरौलीं। शक्तिनगर से अप्रैल-2023 माह में सेवानिवृत हुए एनटीपीसी कर्मी के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एनटीपीसी गीत से हुई। श्री सतीश कुमार गुजरानिया, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) द्वारा सेवानिवृत्त कर्मी-श्री कमलेश कुमार रावत, उप प्रबंधक (एमजीआर विभाग)को पुष्पगुच्छ एवं फूल माला से अभिनंदन किया गया ।

श्री सतीश कुमार गुजरानिया, महाप्रबंधक (प्रचालन व अनुरक्षण) ने अपने उद्बोधन में सिंगरौली स्टेशन की उपलब्धियों के लिए सेवानिवृत कर्मचारी श्री कमलेश कुमार रावत के योगदान हेतु उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया एवं उनके स्वस्थ रहने और सामाजिक कार्यों में अधिक योगदान देने का भी आग्रह किया।

एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा अभिनंदन समारोह में श्री कमलेश कुमार को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर सेवानिवृत कर्मचारी श्री कमलेश कुमार रावत द्वारा एनटीपीसी के अपने अनुभव से उपस्थित जनों को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर श्री एल के बेहरा, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), डॉ एस के खरे, महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएं), श्री अमरीक सिंह भोगल, महाप्रबंधक (मैंटेनेंस), श्री देबब्रत कर, महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं) अन्य सभी एनटीपीसी के विभाग प्रमुख, एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारीगण, यूनियन एवं एसोसिएशन के मानद प्रतिनिधिगण, सेवानिवृत्तकर्मियों के आदरणीय परिवार के सदस्य उपस्थित रहें। श्री नरेश कुमार, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मतदान के दिन ड्यूटी पर तैनात विशेष निर्वाचकों/अधिकारियों/कर्मचारीयों को अपना मतदान करने के तैनात कर्मियों को मतदान हेतु डाक मतपत्र उपलब्ध

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (न0नि0) ने अवगत कराया है कि नगर निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 में मतदान के दिन ड्यूटी पर तैनात विशेष निर्वाचकों, सेवा नियोजित निर्वाचकों, निवारक निरोध के अधीन निरूद्ध निर्वाचकों एवं कर्तव्यारूढ़ निर्वाचकों तथा निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के मतदान हेतु डाक मतपत्र द्वारा मतदान की सुविधा प्रदान किए जाने हेतु निर्देशित किया जात है। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में ऐसे मतदान कार्मिक जो किसी निकाय के मतदाता है और उनकी ड्यूटी नगर निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 हेतु किसी भी कार्य में लगी हुई है, उनको पोस्टल बैलेट की सुविधा राजकीय पॉलिटेक्निक कालेज लोढ़ी में दिनांक-02.05.2023 तथा 03.05.203 को प्रातः 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक उपलब्ध करायी जायेगी उल्लेखनीय है कि मतदान कार्मिकों को द्वितीय प्रशिक्षण दिनांक-02.05.2023 तथा 03.05.2023 को कराया जायेगा । ऐसे समस्त मतदाता जो किसी निकाय के मतदाता हैं और उनकी ड्यूटी चुनाव हेतु किसी भी कार्य में लगायी गयी है, वे निर्धारित तिथियों व निर्धारित स्थान पर डाक मतपत्र से अपना मतदान कर सकते है ।

डाला सीमेंट फैक्ट्री इंटक यूनियन ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र - स्थानीय नगर क्षेत्र में 1 मई के उपलक्ष्य में डाला सीमेंट फैक्ट्री श्रमिक संघ इंटक यूनियन ने डाला शहीद स्मारक पर श्रमिको को श्रद्धांजलि अर्पित करके धूमधाम से श्रमिक दिवस मनाया। यूनियन के महामंत्री उत्तम कुमार मिश्र व इंटक जिला अध्यक्ष हरदेव नारायण तिवारी के साथ तमाम श्रमिकों ने डाला के वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और साथ में ही समय समय पर श्रमिको द्वारा किए गए आंदोलनो पर प्रकाश डाला ।यूनियन नेता ने कर्मचारियों को बताया कि आज के दिन शिकागो शहर में मजदूरों ने काम के 8 घंटे को लेकर धरना प्रदर्शन किया और लम्बे संघर्ष बाद सफलता भी मिली जो आज आप लोग 8 घंटे काम करते हैं यह उन्ही शहीदों की देन है।जिला अध्यक्ष हरदेव नारायण तिवारी ने कर्मचारियों को अपनी एकता मजबूत करने एवं मजदूर वर्ग की मदद करने का आग्रह भी किया और कहा कि इस धरती ने अन्याय कभी बर्दाश्त नहीं किया है ईश्वर साक्षी है आप सभी मेहनतकश वर्गों को हक जरूर प्राप्त होगा। तत्पश्चात कर्मचारियों, मजदूरों एवं बस मोटर गाड़ी से सफर करने वाले एवं पैदल राहगीरों को

तपती धूप में शरबत व ठंडा पानी पिलाया गया श्रमिक नेता उत्तम मिश्रा ने कहा कि इस फैक्ट्री में काम करते हुए भी लगभग 80 परसेंट कर्मचारी गरीबी के कारण उनकी दशा दयनीय हैं सबसे बड़ा कारण यह है कि सैलरी बहुत कम है ऊपर से महंगाई ने कमर तोड़ रखा है इसलिए आज तमाम कर्मचारियों को व यूनियन के सदस्यों के लघु बचत को ध्यान में रखते हुए सभी को 1-1 गुल्लक वितरण किया गया जिससे अति आवश्यक पड़ने पर यह गुल्लक कर्मचारियो के काम आए। इस मौके पर विनय सिंह, राजेश कुमार, दिलीप सिंह, विनयपाण्डेय, तेज बहादुर चौरसिया, अवनीश पांडेय, अशोक कुमार, कमलेश यादव,विजय पासी, सज्जनमणि, विजय, मानेद्र सिंह, अविनाश पति, अतीश पाठक, राजेश कुमार सिंह के साथ आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

नाबालिग बच्चो से प्रत्याशियो के द्वारा चुनाव प्रचार करना पड़ेगा भारी होगी शक्त कार्रवाई आदेश जारी

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। नगरीय निकाय/नगर पालिका परिषद के निर्वाचन 2023 में राजनीतिक दलों द्वारा नाबालिक छोटे बच्चों/ स्कूल के बच्चों से जो भी प्रत्याशियों के लोग करा रहें है अपन-अपना चुनाव प्रचार-प्रसार उनके खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही- जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने अवगत कराया है कि नगर निकाय/नगर पालिका परिषद के चुनावों में विभिन्न राजनीतिक दलों के अधिकृत व निर्दल प्रत्याशियों द्वारा अपने चुनाव प्रचार-प्रसार में नाबालिक छोटे बच्चों को प्रचार-वाहनों के साथ पर्चे बाटने, पोस्टर चिपकाने, बैनर टांगने और रैलियों में हिस्सा लेने के लिए पारिश्रमिक भोगी श्रमिक के सस्ते विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है ज्यादातर छोटे बच्चे स्कूल छोड़कर प्रचार-प्रसार में लगे हुये है, राज्य निर्वाचन आयोग लखनऊ के निर्देशानुसार निर्वाचन की प्रक्रिया की सभी गतिविधियों में हो रहे बच्चों के इस्तेमाल को तत्काल प्रभाव से रोकने हेतु जनपद के समस्त विभागाध्यक्षों/निर्वाचन अधिकारियों/सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि अगर किशोर श्रम (रोकथाम एंव विनियम) अधिनियम, 1986 संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) और अनुच्छेद 23 (बलात श्रम से संरक्षण का अधिकार) शिक्षा के अधिकार आर0टी0ई0 अधिनियम 2009 सहित भारतीय दंड संहिता की संबन्धित धाराओं और आयोग की आदर्श आचार संहिता के उल्लघंन के तहत बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके सर्वोत्तम हितों की ध्यान में रखते हुए ऐसे सभी प्रत्याशियों लोगों तथा अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

100% Placement
सीधे प्रवेश
15% Fee Concession
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)
❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

- कम्प्युटर आपरेटर (कोपा) — फिटर
- डेटा इंट्री आपरेटर — वेल्डर
- फायर सेफ्टी — सीसीए
- कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग — रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- इलेक्ट्रीशियन — सिक्योरिटी सर्विस
- सीएनसी प्रोग्रामिंग — बेसिक कम्प्युटर
- इलेक्ट्रिक मैकैनिक — कम्प्युटर हार्डवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

सजने संवरने से आगे भी फैशन

जब फैशन में महिला सशक्तिकरण को सेलिब्रेट किया जाता है। परिधानों में वुमन पावर का ताना-बाना बुना जाता है। नारी को अपनी इच्छा से जीवन जीने का संदेश दिया जाता है। कंफर्ट और स्टाइल से आकर्षक बनने के लिए कहा जाता है तो फैशन केवल सजने-संवरने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका अनंत तक विस्तार हो जाता है। इसमें कहानियां गढ़ी जाती हैं। सामाजिक सरोकारों के प्रति चिंता व्यक्त की जाती है। डिजाइनर्स अपनी सोच को प्रेरणा बनाते हैं और परिधानों पर कढ़ाई, प्रिंट और स्टाइल के जरिए एक अनोखी थीम रैंप पर रखते हैं। अपने सेट और मॉडल्स के लुक द्वारा घरेलू और पारंपरिक कलाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले आते हैं। हाल ही में संपन्न हुए विल्स लाइफस्टाइल इंडिया फैशन वीक स्प्रिंग-समर 2015 में भी भारतीय फैशन का स्वरूप लगातार परिपक्व होता नजर आया।

हर महिला शक्ति का स्वरूप होती है। वह जानती है कि अपने लक्ष्य की ओर कदम किस प्रकार बढ़ाने हैं। राह में लाख मुश्किलें

आएं, चाहे चुनौतियां मुंह बाए खड़ी रहें, लेकिन वह घबराती नहीं। आत्मविश्वास के साथ बाधाएं पार करती है और विजयी होकर सामने आती है। अपनी जड़ों को बेहतर तरीके से पहचानते हुए आसमान छूने की कोशिश करती है।

कुछ इस तरह का मानना है फैशन डिजाइनर पूनम दुबे का। पूनम अपने कलेक्शन को शक्ति टाइटल के साथ लेकर आईं। देवी दुर्गा से प्रेरित उनके कलेक्शन में गोल्ड, सिल्वर और रेड का भरपूर प्रयोग किया गया। उन्होंने पश्चिम बंगाल और असम की पारंपरिक कलाओं से अपने परिधान तैयार किए। डिजाइनर कनिका सलूजा ने अपने कलेक्शन में औरतों को अपनी मनमर्जी से जीवन जीने की आजादी दिए जाने की आकांक्षा व्यक्त की। मिरर और मेटल वर्क वाले उनके खूबसूरत परिधान उस अल्फा वुमन के लिए थे, जो आत्मनिर्भर, मजबूत और विश्वास से लबालब है। अपने कलेक्शन के बारे में कनिका ने बताया, भारत वह देश है जहां कामसूत्र जैसे ग्रंथ की रचना हुई, लेकिन यह विडंबना है कि आज यहां स्त्री की सेक्सुअलिटी जंजीरों में जकड़ी हुई है। इसे पाप समझा जाता है, जबकि जीवन की शुरुआत इसी से होती है। मैंने अपने कलेक्शन के जरिये स्त्री की इस जीवनदायिनी शक्ति को खुला आसमान देने की कोशिश की है।

सोशल मीडिया और तकनीक के बढ़ते प्रभाव का असर फैशन इंडस्ट्री पर भी साफ नजर आ रहा है। जहां परिधानों को डिजाइन करने में नई-नई तकनीक इस्तेमाल की जा रही हैं, वहीं इन डिजाइंस को लोकप्रिय बनाने के लिए भी तकनीक की मदद लेने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। इस बार फैशन वीक में पहली बार ड्रोन की मदद से एरियल शॉट लिए गए। 360 डिग्री सेल्फी बूथ जैसी तकनीक भी आकर्षण का केंद्र रही। इसके जरिये फैशन प्रेमियों ने सभी कोणों से अपनी फोटो खिंचवाकर सोशल साइटस पर अपलोड कीं। फैशन डिजाइनर जोड़ी पारस-शालिनी ने अपने शो में तकनीक का जबर्दस्त तड़का लगाया।

इन्होंने फॉसिल्स में नजर आने वाले सूखे फूलों की छवि को अपने परिधानों में बॉटैनिकल फ्लोरल एप्लीक वर्क के माध्यम से दर्शाया। फैशन इंडस्ट्री जहां हर दिन हाईटेक हो रही है, वहीं खालिस इंडियन टेक्निक्स के साथ भी नए प्रयोग किए जा रहे हैं।

डिजाइनर अत्सु ने क्विल्टिंग तकनीक से बने परिधानों का प्रदर्शन किया। इस तकनीक में रजाई की तरह परिधानों में फोम का बेस लगाकर उनमें क्रॉस स्टिच सिलाई की जाती है। उनके फैब्रिक में आकर्षक कटआउट बनाने वाली ऑरिगैमी तकनीक का इस्तेमाल भी नजर आया। इसी प्रकार मथुरा की पेपर कटिंग कला सांझी जब क्रिएटिव अंदाज में रैंप पर सामने आई तो लगा जैसे इंडियन टेक्निक्स का कोई सानी नहीं है। डिजाइनर जोड़ी हेमंत-नंदिता के शो में भी तकनीक का रचनात्मक इस्तेमाल नजर आया। इनके शो में मॉडल्स ने क्रॉस स्टिच कढ़ाई को प्रिंटस के रूप में दर्शाया।

फैशन का जिक्र हो और फूलों की बात न हो, क्या ऐसा कभी हो सकता है? रंग-बिरंगे फूल परिधानों में एक नई ताजगी भर देते हैं। जाने माने फैशन डिजाइनर रोहित बल ने तो कश्मीर की वादियों में खिलने वाले फूल रैंप पर खिला दिए। अपने ग्रैंड फिनाले में उन्होंने कलेक्शन च्युलबागज् से प्रेरित कलेक्शन पेश किया। उनके आलीशान शो में मॉडल्स ने चंदेरी, मलमल, मटका सिल्क और वेल्वेट जैसे फैब्रिक्स से बने परिधान पहनकर रैंपवॉक किया। परिधानों की ब्रोकेड एंब्रॉयडरी और गोल्ड लीफ एंबॉसिंग तकनीक प्रमुख थी। फूलों की कढ़ाई को डिजाइनर्स काफी खुशनुमा अंदाज में पेश करते रहे हैं। हल्के रंग के परिधानों पर खिले-खिले फूलों की थ्री डी एम्ब्रॉयडरी परफेक्ट लगती है। डिजाइनर मनीष गुप्ता के कलेक्शन का तो टाइटल ही फ्लोरेंस था, जिसके इंडियन फ्लोरल मोटिफ्स बेहद खूबसूरत लग रहे थे। अपने राजपूताना कलेक्शन को आगे बढ़ाते हुए डिजाइनर सामंत चौहान ने सिल्क के धागों के साथ सपनों की उड़ान भरने को मजबूर किया।उनकी थीम थी।

उनके न्यूड कलर के परिधानों पर रंगीन फूलों से कढ़ाई की गई थी। डिजाइनर अनीथ अरोड़ा के शो में तो मॉडल्स ने ब्रिटिश अंदाज के सफेद फ्लोई परिधान पहनकर मखमली घास, गमलों वाले बगीचे जैसे दिखते रैंप पर वॉक किया।फैशन में कई डिजाइनर्स फन एलीमेंट को महत्वपूर्ण मानते हैं। बेहद नाटकीय ढंग से पेश किए जाने वाले उनके शोज में मजा बेहिसाब होता है। कभी फंकी कपड़े होते हैं तो कभी फन से भरी थीम। रैंप कभी चांदनी चौक की गलियों की दिलकश रौनक से गुलजार रहता है तो कभी बीते दौर के कैफे वाले माहौल से मस्त हो जाता है। फैशन वीक में डिजाइनर निहारिका पांडेय के शो में मॉडल्स ने नींबू-मिर्ची, जलेबी और गोलगप्पे जैसे प्रिंटस वाले परिधान पहनकर रैंपवॉक किया और चांदनी चौक के माहौल को जीवंत किया।शो में प्रदर्शित डेनिम और निटेड फैब्रिक के साथ मेटल जंक जूईल्रि परिधानों को सूट कर रही थी। इसी तरह 1960 के ईरानी कैफे से प्रेरित डिजाइनर निदा महमूद के कलेक्शन में पुराने कैफे की दीवारों पर नजर आने वाले प्रिंटस परिधानों में नजर आए। निदा के शो में जॉर्जट, कॉटन ब्लेंड से बने बॉक्सी टॉप, स्ट्रक्चर्ड स्कर्ट, हाफ साड़ी जैसे परिधान नजर आए। बनारस की संस्कृति को फैशन में पिरोने में डिजाइनर छाया मेहरोत्रा पूरी तरह से कामयाब रहीं। उन्होंने अपने कलेक्शन बबली बनारसी में सिंदूर, चंदन, शिव और

मोक्ष से जुड़े लाल, पीले, नीले और सफेद रंगों के परिधानों का प्रदर्शन किया। शो में बनारस में प्रचलित गमछा, रुद्राक्ष की माला और ब्लॉक प्रिंटिंग वाले परिधान जैसे कई तत्व नजर आए।

फैशन के मंच के जरिये सिर्फ ग्लैमर ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार से जुड़ी भावनाओं का इजहार भी किया जाता है। धरती के बढ़ रहे तापमान को संतुलित करने का संदेश देते हुए डिजाइनर जोड़ी गौरी-नयनिका ने अपने कलेक्शन में ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषित होती धरती और पिघलते ग्लेशियर दर्शाए। गौरी-नयनिका ने अपने कलेक्शन में उजड़ी हुई धरती, चिमनियों से निकलता धुंआ और हरे पत्तों की चाहत को दर्शाया। इनका मानना था कि फैशन समाज में जागरूकता के लिए पावरफुल टूल साबित हो सकता है। डिजाइनर आशीष और विक्रांत के शो में शो स्टॉपर के तौर पर किसी सेलेब्रिटी की जगह एचआईवी पॉजिटिव आनंदी युवराज ने रैंप वॉक किया।आनंदी 17 सालों से एचआईवी से पीड़ित हैं, लेकिन आम जिंदगी जी रही हैं। उन्हें रैंप पर लाकर डिजाइनर जोड़ी ने यह जागरूकता फैलाने की कोशिश की कि एड से जूझ रहे मरीज हमारे जैसे ही हैं और उनसे दूर रहने या उन्हें छूने से परहेज करने का कोई औचित्य नहीं है। यह कलेक्शन रेड एंड व्हाइट कलर थीम पर आधरित था। यह रंग एड के प्रति जागरुकता फैलाते रेड रिबन को प्रदर्शित कर रहा था। यहां तक कि डिजाइनर्स ने अपनी शर्ट पर रेड रिबन लगाकर अपनी चिंता जाहिर की। डिजाइनर नीता भार्गव के शो की शुरुआत ट्रैफिक के शोर, धुएं और उद्योगों की मशीनों की कर्कश आवाज के साथ हुई। रैंप पर क्रिएट किए गए इस प्रदूषण वाले माहौल में शो की पहली मॉडल ने चेहरे पर काला नकाब लगाकर वॉक किया। धीरे-धीरे यह प्रदूषण कम होता गया और परिधान भी स्मोकी ग्रे कलर से व्हाइट होते गए।

सतना जिले में तेज हवाओं के साथ हुई जोरदार बारिश,स्मार्ट सिटी की खुली पोल

आधुनिक समाचार सेवा

सतना- अचानक से बदला मौसम, पूरे शहर में छाया अंधेरा,जोरदार हवाओं के साथ बारिश हुई शुरू। स्थानीय बस स्टैंड में बने मॉल में लगी कंपोजर सीट पूरी तरह उखड़ी। हवा में झूल रही। हो सकता है बड़ा हादसा। आंधी से कंपोजर सीट किसी भी व्यक्ति अथवा वाहन के ऊपर उड़कर दे सकती है भारी क्षति। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों को है जान माल का बड़ा खतरा जिले में आये भीषण तूफान बारिश में बहुत नुकसान देखने को मिला,जिसमे वनमंडल कार्यालय के सामने का विशाल पेड़ गिरकर पूरी सड़क का आवागमन बंद कर दिया,और बिजली तारो को भी नुकसान दिया,बारिश के बीच में यह समस्या देखकर डण्डा गुरु ने इस गिरे हुए पेड़ को रास्ते से हटाने का निर्णय लिया और अकेले ही कुल्हाड़ी लेकर काम मे लग गए। पूछने पर बताया की उनसे लोगो की समस्या और कहीं क्षतिग्रस्त तार से करंट न उतर आये इसीलिए उन्होंने यह कार्य करने का निर्णय लिया। शहर में आंधी तूफान के साथ हुई मूसलाधार बारिश चंद घंटों की बारिश में स्मार्ट सिटी सतना की सड़कों में पानी ही पानी भर गया है।

पत्नी की हत्या के आरोपी पति दोषी साबित, हुई आजीवन कारावास की सजा

आधुनिक समाचार सेवा

मैहर। द्वितीय अपर सत्र न्यायालय के पीठासीन अधिकारी श्री नीरज शर्मा ने आरोपी धीरेन्द्र गुप्ता उर्फ धीरू पिता रामलाल गुप्ता उम्र 35 वर्ष नि. गोलामठ मन्दिर रोड, हनुमान टोला मैहर जिला सतना को भारतीय दण्ड संहिता के अपराध धारा 302 भादवि के अपराध में ठहराया दोषी।

मध्यप्रदेश राज्य की ओर से अभियोजन अधिकारी गणेश पाण्डेय के द्वारा उक्त अपराध में अभियोजन का संचालन किया गया।

मैहर के जघन्य अपराध जिसमें केजेएस सीमेन्ट फैक्ट्ररी सीटू ट्रेड यूनियन के अध्यक्ष मनीष शुक्ला हत्या कांड के अपराध में अब कल दिनांक 02.05.2023 से अभियोजन का संचालन गणेश पाण्डेय अभियोजन अधिकारी के द्वारा ही किया जायेगा।

रिमझिम फुहार के बीच सम्पन्न हुआ ठहाकों का उत्सव 'उल्लास-2023'

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा।सांस्कृतिक चेतना को समर्पित संस्था नई पहल एवं सेक्टर 26 रेज़िडेंट वेलफ़ेयर एंड कल्चरल सोसायटी द्वारा आयोजित हास्य कवि सम्मेलन ' उल्लास-2023' तालियों और ठहाकों के साथ सम्पन्न हुआ त इस शानदार कार्यक्रम में युवा हास्य कवि विनोद पाण्डेय की घनाक्षरी संग्रह ' चश्मा लगा के ' का लोकार्पण भी सम्पन्न हुआ।

सेक्टर 26 स्थित गंगोत्री सभागार में देश के नामचीन कवियों ने अपनी हास्य कविताओं से उत्सव को महोत्सव में बदल दिया। नई पहल के संयोजक युवा हास्य कवि विनोद पाण्डेय के संचालन एवं पद्मश्री डॉ सुनील जोगी की अध्यक्षता में सम्पन्न इस कवि सम्मेलन में राजेश चेतन ,दीपक गुप्ता,विकास बौखल एवं कुशल कुशवाह ने अपनी कविताओं से चार चाँद लगा दिए त मुख्य अतिथि

के रूप में नोएडा एडिशनल डीसीपी श्री शक्ति मोहन अवस्थी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अविनाश त्रिपाठी जी की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत सेक्टर 26 एए के अध्यक्ष गोविंद शर्मा के उद्बोधन से हुआ और अंत नई पहल संस्थापक सदस्य एस सी मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन से सम्पन्न हुआ। शुरुआती संचालन नई पहल के संस्थापक सदस्य विनोद शर्मा जी ने किया।कवि विनोद पाण्डेय के सरस्वती वंदना से शुरू हुआ कवि सम्मेलन पद्मश्री डॉ सुनील जोगी के ' राम' कविता पर सम्पन्न हुआ जब सारे श्रोता खड़े होकर तालियाँ बजाने लगे। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे नोएडा के एडिशनल डीसीपी श्री शक्ति मोहन अवस्थी ने कवि सम्मेलन का खूब आनंद लिया। उन्होंने कार्यक्रम के विषय में बोलते हुए कहा कि हँसी एक वरदान है जो सिर्फ़ मनुष्य को मिली है ,इसलिए हमें हँसते मुस्कुराते रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि अविनाश त्रिपाठी ने उल्लास -2023 की खूब तारीफ़ की और आगे भी ऐसे आयोजन हो ऐसा का विचार प्रकट किया ताकि नोएडावासियों का स्वस्थ मनोरंजन हो। कवि सम्मेलन में सेक्टर 26 से ओपी बंसल ,नरेश जैन,सुनील माद्रा, सुशील खण्डेलवाल,संदीप गुप्ता ,एससी मित्तल,ओपी गर्ग,जेपी ढौढीयाल आयोजन समिति में शामिल रहे और उपस्थिति लोगों में शहर के हिंदीप्रेमी,समाजसेवी एवं उद्योगपतियों का नाम शामिल था जिसमें वरिष्ठ समाजसेवी त्रिलोक शर्मा ,महेश सक्सेना,डॉ पीयूष द्विवेदी ,हरीश वर्मा ,अशोक श्रीवास्तव,पवन यादव,योगेन्द्र सिंह ,हरीश मिश्रा ,हरीश त्रिपाठी,श्वेता भारती,मुकुल बाजपेयी,प्रेम सागर शर्मा ,अरुण शर्मा , अरुण जोशी,गुलशन शर्मा , अम्बरीश त्रिपाठी,विक्रम शर्मा ,राजेंद्र उप्रेती , गौरव मीत,कुलदीप बरतरिया,अशोक पांडेय जैसे उल्लेखनीय नाम है।

जी एल बजाज इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मे अलमुनी मीट डेजा वु 2023 का भव्य आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा। स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के पीजीडीएम विभाग के द्वारा अलुमनी मीट 'डेजा वु 2023' का भव्य आयोजन किया गया। यह मीट नई दिल्ली में इंडिया हैबिटेट सेंटर के जकरांडा हॉल हैबिटेट वर्ल्ड में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सभी सत्रों के 200 से अधिक पूर्व छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत संकाय सदस्यों और पूर्व छात्रों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने और जीएलबीआईएमआर की

निदेशक डॉ0 सपना राकेश के स्वागत भाषण के साथ हुई। इसके बाद फिल्म और संगीत निर्माता ऋत्विक ने छात्रों के साथ फिल्म और संगीत निर्माण की बारीकियों को समझाया। जूनियर छात्रों ने अपने सीनियर छात्रों का गर्म जोशी से स्वागत किया और नृत्य, गायन, एक्टिंग, और म्यूजिकल स्टूमेंट से जलवा बिखेरा। कॉलेज के डिजाइन और फैशन क्लब के सदस्यों ने रैम्प वॉक करके आधुनिक परिधानों का प्रदर्शन किया जिस पर सभी दर्शकों ने खूब तालियाँ बजाई। अलुम्नाई छात्रों ने कहा कि आपके इस आयोजन ने पुरानी यादों को ताजा कर दिया है यादों को संजोए रखने और खिलखिलाने वाले नए सपनों को देने के लिए आप सभी का हार्दिक धन्यवाद।अंत में सभी अथितियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कुपोषण की शिकार सुरंगी गाँव की 7 वर्षीय मासूम सोमवती का निधन, सीएम ने बच्ची के देखभाल के दिये थे निर्देश

आधुनिक समाचार सेवा

सतना। कुपोषण का कलंक मिटने का नही ले रहा नाम, अधिकारियों के दावे की खुली पोल, मझगवां विकास खंड में नहीं सुधरे हालात। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने तत्कालीन सीडीपीओ को निलंबित कर जिला मुख्यालय से सहायक संचालक राजेन्द्र बांगरे को भेजा था सीडीपीओ बनाकर, क्षेत्र में नहीं गए एक भी दिन राजेन्द्र बांगरे, दिनभर सतना में अपने चैंबर में गुजारते हैं दिन।राजेन्द्र बांगरे की नहीं है विभाग पर पकड़, सुपरवाइजर भी नहीं जानती उन्हें। कलेक्टर ने भी मझगवां के 80 ग्रामो को कुपोषण मुक्त करने चलाया है प्रोजेक्ट बचपन। आज तक केवल एक बैठक ही मझगवां में ले पाये है कलेक्टर। इसके बाद कोई गतिविधि नहीं है संचालित।

काशी राम आवास मे मिली लावारिस महिला को जिला प्रोवेशन विभाग ने दिया शरण

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र/थाना रावर्टसगंज अन्तर्गत काशिराम आवस परिसर से सूचना प्राप्त हुयी की एक 23 वर्ष की महिला अज्ञात अवस्था में पायी गयी है जिसपर तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला प्रोवेशन अधिकारी राजेश कुमार खैरवार ने वन स्टाप सेन्टर केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह व जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे की टीम गठित करते हुए निर्देशित किया की तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए अवगत कराये जिसके उपरान्त टीम द्वारा काशिराम आवस परिसर में पहुँच कर अपनी अभिरक्षा में

लेते हुए महिला थाना ले जाया गया जहा पर महिला थाना प्रभारी सरोजमा सिंह की उपस्थिति में अज्ञात महिला से पूछ ताछ किया गया उसके उपरान्त टीम द्वारा महिला को संरक्षण प्रदान करने हेतु जिला प्रोवेशन अधिकारी के आदेश से संस्था मे आवासित कराया गया जिसके सम्बन्ध में दिपिका सिंह द्वारा बताया गया कि महिला की काउन्सलिग करायी जा रही है जिसके बाद नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी मौकेपर महिला शक्ति केन्द्र से जिला समन्वय सीमा द्विवेदी आदि उपस्थित रही

मजदूरों के खून से बना है लाल झंडा जुल्म,अन्याय व शोषण के आगे नहीं झुकेगा- सीटू

आधुनिक समाचार सेवा

नोएडा।सीटू कार्यकर्ताओं ने जनपद में जगह-जगह झंडारोहण व सभा कर मई दिवस के क्रांतिकारी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर जुल्म,शोषण व अन्याय के खात्मे के लिए संघर्ष को तेज करने का संकल्प लिया। ग्रेटर नोएडा, उद्योग विहार मे अनमोल इंडस्ट्रीज पर सीटू जिला महासचिव रामसागर, यूनियन के अध्यक्ष मुकेश कुमार राघव, विमलेश, मानीताऊ एंप्लाइज यूनियन के महामंत्री संतोष कुमार यादव, वाइब्रोकॉस्टिक फेस-2, नोएडा कंपनी पर यूनियन के अध्यक्ष हुकुम सिंह, सुनील पंडित, अंकुश कुमार, सीटू कार्यालय भंगेल फेस-2 नोएडा पर सीटू जिला सचिव राम स्वारथ, ओमप्रकाश, जगबीर, मनोज शाह व सीटू जिला कार्यालय सेक्टर- 8 नोएडा पर सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव रामसागर, सीटू नेता पूनम देवी, लता सिंह, धर्मेंद्र कुमार, होतेन्द सिंह, मान सिंह, पथ विक्रेता यूनियन के नेता अमित कुमार रस्तोगी, पूनम देवी, धर्मेंद्र कुमार, जनवादी महिला समिति के नेता आशा यादव, चंदा बेगम, रेखा चौहान, सोशल एक्टिविस्ट सुनीता आदि के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी तरह अन्य कई स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सेक्टर- 8 नोएडा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रमिक नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा, कि पूंजीवादी

व्यवस्था को गंभीर संकट से बचाने के लिए केंद्र की मोदी सरकार मेहनतकशवर्ग के जीवन और आजीविका पर हमला तेज कर रखा है। इतना ही नहीं, संघर्षों से हासिल किए गए मजदूरों के अधिकारों पर हमला किया जा रहा है। श्रम कानूनों में संशोधन करके मजदूरों को उद्योगपतियों का गुलाम बनाने की साजिश की जा रही है और मजदूरों के संवैधानिक अधिकारों पर हमला किया जा रहा है। कार्यस्थल पर काम करने की स्थिति खराब हो गई है। महंगाई बढ़ी है लेकिन आमदनी लगातार घटती जा रही है। जिसके चलते असमानता बढ़ी हैं और देश में गरीबी भूखमरी बढ़ी है। वहीं सरकार की नव उदारवादी नीतियों के चलते बड़े पूंजीपतियों के मुनाफे में लगातार जबरदस्त वृद्धि हो रही है।

उपरोक्त हालात के खिलाफ उठ रही विरोध की आवाजों को शासन-प्रशासन दबाना चाहता है। शायद वे भूल रहे हैं कि जुल्म, शोषण, अत्याचार व अन्याय के खात्मे के लिए ही मजदूरों के खून से लाल झंडा उत्पन्न हुआ है और हम अपने हक अधिकारों के लिए एकजुट होकर लड़ेंगे और निश्चित है एक दिन हम जीतेंगे। साथ ही उन्होंने जनपद के सभी मजदूरों, कर्मचारियों, स्वरोजगारियों को मई दिवस की बधाई शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में सीटू जिला महासचिव रामसागर ने मई दिवस के इतिहास को रेखांकित किया और अपने हक अधिकारों के लिये संगठित होकर लड़ने के लिए प्रेरित किया।

गरीबी में बीता रोहित शर्मा का बचपन,टीम इंडिया के 'हिटमैन' बन ऐसे बनाई अपनी पहचान

मुम्बई (एजेंसी)। रोहित शर्मा भारतीय टीम के मंझे हुए खिलाड़ी हैं। विश्व में इनकी पहचान सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के तौर पर होती है। वर्तमान में वह इंडिया टीम के कप्तान हैं। सारी दुनिया उन्हें हिटमैन के नाम से जानती है। जब रोहित क्रीज पर उतरते है तो कई उम्मीदें साथ उतरती हैं। आज यानि की 30 अप्रैल को वह अपना 36वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे है। रोहित ने आईपीएल में एक-दो बार नहीं बल्कि पांच बार मुंबई इंडियंस को खिताब जितवाया है। आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर रोहित शर्मा के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में...**जन्मः** महाराष्ट्र के नागपुर ज़िले के बंसोड़ में रोहित शर्मा का 30 अप्रैल 1987 को उनका जन्म हुआ था। उनके पिता गुरूनाथ शर्मा ट्रांसपोर्ट फर्म हाउस में काम करते थे। उनकी मां का नाम पूर्णिमा शर्मा है। इनका पूरा नाम रोहित गुरुनाथ शर्मा है। रोहित को अपने बचपन में गरीबी और आर्थिक तंगी का भी सामना करना पड़ा। आर्थिक तंगी के चलते रोहित का बचपन अपने दादा के साथ बीता था। वह अपने माता-पिता से कभी-कभी मिलने आते थे। रोहित बचपन से ही क्रिकेट खेलने के शौकीन थे।

क्रिकेट के प्रति रुझानः उनका क्रिकेट के प्रति रुझान देखकर रोहित के चाचा ने उन्हें क्रिकेट कैंप में भर्ती करवा दिया। जहां पर रोहित की प्रतिभा से प्रभावित होकर उनके कोच दिनेश लाद ने स्कॉलरशिप दिलवाकर रोहित का स्कूल चेंज करवा दिया। रोहित ने अपने करियर की शुरूआत एक गेंदबाज के रूप में की। समय से काथ उनकी बैटिंग प्रतिभा भी निखरती चली गई। उन्होंने एक स्कूल के साथ हुए मैच में शतक जड़ दिया।

क्रिकेटर के तौर पर करियर: कई कोचों को रोहित शर्मा की बल्लेबाजी प्रभावित कर गई थी। जिसकी वजह से साल 2005 में सेंट्रल जोन के खिलाफ पश्चिमी क्षेत्र के लिए उनका चयन देवधर ट्राफी में हो गया। हालांकि रोहित इस मैच में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। इसके बाद उत्तरी क्षेत्र के खिलाफ रोहित की 142 रन की नाबाद पारी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया था। इसके परिणामस्वरूप तीस सदस्यी संभावित खिलाड़ियों की सूची में रोहित को भी शामिल कर लिया गया। फिर रोहित को चैंपियंस ट्राफी में खेलने का मौका मिला।

इसी क्रम में रोहित का सेलेक्शन एनकेपी साल्वे ट्राफी में भी हुआ। रोहित के लगातार अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए साल 2006 में उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैच के लिए इंडिया ए के लिए सेलेक्ट किया गया। फिर इसी साल रोहित को रणजी ट्राफी में भी खेलने का मौका मिला। शुरूआती असफलताओं के बाद रोहित ने एक बार फिर गुजरात और बंगाल के लिए दोहरा शतक और अर्द्धशतक लगाया।

घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण रोहित का भारत और आयरलैंड के साथ मुकाबले के लिए चुना गया। हालांकि बेलफास्ट में खेले गए मैच में रोहित को बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला। सितम्बर 2007 में रोहित ने टी20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के धारदार गेंदबाजी के सामने शानदार 50 रन बनाये। टीम को बेहतरीन क्षेत्र रक्षण के द्वारा जीत भी दिलवाई। रोहित के इस परफार्मेंस के चलते भारतीय टीम को सेमीफाइनल में खेलने का अवसर भी मिला। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्हें खेलने का मौका मिला।

वनडे में रोहित का बेहतरीन खेल देखने को मिला। ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान के साथ मैच में रोहित ने शानदार प्रदर्शन किया और यही से उनको अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहचान बनानी शुरू हो गई। हालांकि नए खिलाड़ियों के टीम में आने के कारण रोहित को टीम इंडिया में जगह नहीं मिली। साल 2009 में रोहित ने रंजी ट्रॉफी में तीसरा शतक लगाया। इसके बाद वह बांग्लादेश के खिलाफ हुए मुकाबले के लिए चुने गए। लेकिन बाद में उन्हें इस सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला।

इसी बीच टेस्ट मैच के दौरान रोहित के चोटिल हो जाने के कारण उन्हें बाहर रहना पड़ा। दुर्भाग्य, विफलता और नये खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन के चलते रोहित का टीम इंडिया में जगह बनाना मुश्किल हो गया था। इसके साथ ही रोहित को साल 2011 के वर्ल्ड कप में भी बाहर रहना पड़ा। लेकिन साल 2013 में टीम इंडिया के कैप्टन महेंद्र सिंह धोनी ने रोहित को सलामी बल्लेबाज बनाया। इस पारी के साथ ही रोहित के करियर की नई शुरूआत हुई। यहां से रोहित शर्मा अलग ही लीग में चले गए और अपने बेहतरीन प्रदर्शन के चलते आज वह टीम इंडिया के कप्तान बन गए।

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट करियरः सुरेश रैना के नेतृत्व में रोहित का सेलेक्शन वेस्टइंडीज जाने वाली टीम में हो गया। उस पूरी सीरीज में रोहित ने बेहद शानदार प्रदर्शन किया था। साथ ही वह मैन ऑफ द सीरिज चुने गये। इसके बाद रोहित का फॉर्म अच्छा चलने लगा। वेस्टइंडीज के साथ श्रृंखला में भी रोहित को मैन ऑफ द सीरीज के लिए चुना गया। भारतीय टीम में सचिन और सहवाग के जाने के बाद टीम इंडिया को ओपनर की कमी काफी खल रही थी। साल 2013 के चैंपियन्स ट्राफी में रोहित शर्मा को शिखर धवन के साथ ओपनर के तौर पर खेलने भेजा गया। मैदान में यह जोड़ी क्लिक कर गई।

रोहित शर्मा का छ्रुट करियर काफी अच्छा रहा। रोहित ने छ्रुट की शुरूआत डेक्कन चार्जर के साथ किया था। हालांकि उस टीम की विफलता के बाद भी रोहित की बैटिंग को लोगों ने काफी सराहा। इसके बाद उनका चयन मुंबई इंडियन में हो गया। वर्तमान में रोहित शर्मा मुंबई इंडियन के कैप्टन हैं। साल 2015 में उनकी टीम ने चेन्नई सुपरकिंग्स को हराकर छ्रुट की ट्राफी अपनी टीम के नाम किया था। साल 2015 में रोहित शर्मा ने 32.55 की औसत से छ्रुट में 3385 रन बनाए। जोकि काबिले तारीफ है।

उपलब्धियांः भारत सरकार द्वारा साल 2015 में रोहित शर्मा को अर्जुन पुरस्कार मिला। भारत में राष्ट्रीय खेल में उत्कृष्ट उपलब्धियों की पहचान के लिए भारत सरकार द्वारा हर साल प्रस्तुत किया जाता है।

रोहित शर्मा को बनडे में दोहरा शतक लगाने के लिए ऍइन्द्वारा साल 2013 और 2014 में सर्वश्रेष्ठ वनडे बल्लेबाजी का प्रदर्शन करने क्रिकेटर घोषित किया गया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोहित शर्मा ने टी - 20 में शतक के लिए साल 2015 के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी का प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर बनें।

हार के लिए भारतीय बल्लेबाजों को दोष देना सही नहीं : मिशेल मार्श

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के हरफनमौला मिशेल मार्श ने कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने में विफल रहने के बाद टीम की हार का दोष अनुभवहीन भारतीय बल्लेबाजों को देना ठीक नहीं है। मार्श ने मैच में चार विकेट लेने के बाद 39 गेंद में 63 रन की पारी शानदार पारी खेलने के साथ सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट के साथ दूसरे विकेट लिए 66 गेंद में 112 रन की साझेदारी कर टीम को मैच में बनाये रखा था। इस साझेदारी के टूटने के बाद दिल्ली के बल्लेबाज लय बनाने में नाकाम रहे और मैच नौ रन से गंवा दिया।

उन्होंने मैच के बाद कहा, " हमें अपने सभी खिलाड़ियों पर बहुत विश्वास है। हमारी टीम में कुछ अनुभवहीन खिलाड़ी हैं, लेकिन हमें उन पर भरोसा रखना होगा, आपको उन खिलाड़ियों को वहां परखना होगा। मुझे नहीं लगता कि हम आज उनके कारण हारे।'' इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, " हमारे खेल के कुछ क्षेत्र ऐसे थे जहां हम पिछड़ गये। यह निश्चित रूप से उनके (भारतीय खिलाड़ियों) कारण नहीं थाा।'' मैन ऑफ द मैच चुने गये इस खिलाड़ी ने कहा, " अगर आप हमारे पूरे सत्र को देखें तो हम किसी को दोष नहीं दे सकते हैं, लेकिन हमने वास्तव में कुछ करीबी मैच गंवाए हैं। आईपीएल में मैच जीतना बेहद कठिन है। दुर्भाग्य से ऐसे करीबी मैचों के परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे।'' मार्श ने सनराइजर्स हैदराबाद की जीत का श्रेय हेनरिच क्लासेन (नाबाद 53) को दिया। क्लासेन और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (67) की आतिशी पारी से टीम ने बड़ा स्कोर खड़ा किया। उन्होंने कहा, " मुझे लगता है कि उनकी (क्लासेन) पारी ने निश्चित रूप से मैच का रूख बदला। इस पिच पर क्रीज पर आते ही बड़ा शॉट खेलना मुश्किल था लेकिन वह ऐसा करने में सफल रहा। वह बेहतरीन लय में है।

मुंबई के खिलाड़ियो और कोचिंग सदस्यों ने रोहित शर्मा की कप्तानी की तारीफ की

मुंबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान के तौर पर 10 साल पूरे करने पर पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम के खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ ने रविवार को रोहित शर्मा की सराहना की रोहित को 24 अप्रैल 2013 को कप्तानी की बागडोर सौंपी गयी थी। उनके नेतृत्व में टीम 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में चैम्पियन बनी। राजस्थान रॉयल्स के साथ मैच की पूर्व संध्या पर, टीम और कोचिंग सदस्यों ने कप्तान के तौर पर 10 साल के रोहित के योगदान के बारे में बात की। टीम के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा, " उसने कप्तान के तौर पर काफी सुधार किया है। उसका नेतृत्व कौशल अच्छा हुआ है। " कोच से पहले लंबे समय तक खिलाड़ी के तौर पर मुंबई की टीम से जुड़े रहे पोलार्ड ने कहा, " उन्हें 2013 सत्र के बीच में कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी थी। वह उस समय काफी युवा थे।'' रोहित को कप्तानी सौंपे जाते समय पोलार्ड टीम का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि रोहित की सबसे बड़ी खासियत जल्दी सीखने की है। टीम के गेंदबाजी कोच शेन बांड ने उनके करियर को 'शानदार' करार देते हुए कहा, " वह मैदान के अंदर और बाहर हमारी टीम में किसी बड़ी शख्सियत की तरह हैं। टीम का नेतृत्व करने के मामले में उनका काम शानदार रहा है।'' मुंबई की टीम के मुख्य बल्लेबाजों में से एक सूर्यकुमार यादव ने कहा कि रोहित की यात्रा एक अविश्वसनीय कहानी रही है। उन्होंने कहा, ''कप्तान के रूप में यह उनका 10वां साल है और वह भी मुंबई इंडियंस जैसी फ्रेंचाइजी के लिए। मुझे लगता है कि यह एक बहुत, बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह अपने आप में एक कहानी है। फ्रेंचाइजी ने उनकी कप्तानी में पांच ट्रॉफी जीतीं।'' ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला कैमरून ग्रीन ने कहा, ''मुंबई को जो सफलता मिली है, उसमें रोहित का योगदान काफी अधिक रहा है।

एटलेटिको मैड्रिड में एक और जीत से रियाल मैड्रिड पर दबाव बनाए रखा

मैड्रिड। एटलेटिको मैड्रिड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एक और बड़ी जीत दर्ज की और स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में दूसरे स्थान के लिए रियाल मैड्रिड पर दबाव बनाए रखा। एटलेटिको ने रविवार

को वल्लाडोलिड हो 5-2 से करारी शिकस्त दी जो उसकी पिछले नौ मैचों में आठवीं जीत है। अंक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज एटलेटिको ने पहले हाफ में तीन और दूसरे हाफ के अंतिम क्षणों में दो गोल किए जिससे वह शहर के अपने प्रतिद्वंदी रियाल मैड्रिड से केवल दो अंक पीछे रह गया है जबकि अभी छह दौर के मैच होने बाकी हैं। रियाल मैड्रिड ने शनिवार को अल्मेरिया को 4-2 से हराया था। इस जीत से एटलेटिको के 32 मैच में 66 अंक हो गए हैं जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 68 अंक हैं। बार्सिलोना 32 मैचों में 79 अंक लेकर शीर्ष पर काबिज है।

हमारे साथ ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चमक बिखेरेगा यशस्वीः संगकारा

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा का मानना है कि यशस्वी जायसवाल बहुत तेजी से सीखते हैं और उनमें इंडियन प्रीमियर लीग की उनकी फ्रेंचाइजी की तरफ से ही नहीं बल्कि भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी चमक बिखेरने की क्षमता है। इक्कीस वर्षीय जायसवाल ने आईपीएल के वर्तमान सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक 47.5 की औसत से 428 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। संगकारा ने राजस्थान रॉयल्स की मुंबई इंडियंस के हाथों छह विकेट से हार के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' वहां बेहद प्रतिभाशाली ही नहीं बल्कि कड़ी मेहनत करने वाला खिलाड़ी है। वह तैयारियों में काफी समय लगाता है और नेट्स पर काफी समय बिताता है। ''

उन्होंने कहा,'' उसने तीन से चार साल हमारे साथ बिताए

हैं और इससे पता चलता है कि वह अपने काम के प्रति काफी एकाग्र चित्त है और उसके प्रदर्शन से भी इसका पता चलता है।'' जायसवाल ने मुंबई के खिलाफ मैच में 62 गेंदों पर 124 रन बनाए जिसमें 16 चौके और आठ छक्के शामिल हैं। संगकारा ने कहा,'' उसने बेहतरीन बल्लेबाजी की। वह लगभग पूरी पारी के दौरान बल्लेबाजी करता रहा। उसे केवल हमारे साथ ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अभी लंबा सफर तय करना है। उसे राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए लगातार रन बनाते रहने होंगे।'' जायसवाल की शानदार पारी से राजस्थान रॉयल्स में सात विकेट पर 212 रन बनाए लेकिन मुंबई ने टिम डेविड की 14 गेंदों पर नाबाद 45 रन की पारी से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया के इस ऑलराउंडर ने जेसन होल्डर पर लगातार तीन छक्के जड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि वह टीम को इस तरह से जीत दिलाने के लिए आतुर थे। डेविड ने कहा,'' मैं टीम को इस तरह से जीत दिलाने के लिए आतुर था इसलिए मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। टीम बेहद रोमांचित है और सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। मैं अपने लिए मौके के इंतजार में था और मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैंने इसका पूरा फायदा उठाया।'' उन्होंने कहा,'' पिछले साल आईपीएल में मेरा पहला अनुभव था और मैं अपना नाम बनाने और टीम में जगह पक्की करने के लिए आतुर था। लेकिन अब मैं जब भी मुंबई इंडियंस की शर्ट पहनता हूं तो उसे जीत दिलाने की कोशिश करता हूं।

शीर्ष वरीय अल्कराज और स्वियातेक टूर्नामेंट में आगे बढ़े

मैड्रिड। शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कराज और इगा स्वियातेक ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई। पहले दौर में तीन सेट तक जूझने वाले अल्कराज ने दूसरे दौर में 26वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव को6-2, 7-5 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया और इस तरह से अपने खिताब बचाने की उम्मीदों को बरकरार रखा। अल्कराज का अगला मुकाबला 13 वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा जिन्हें उन्होंने पिछले साल फाइनल में हराया था। दो बार के मैड्रिड ओपन चैंपियन ज्वेरेव ने क्वालीफायर ह्यूगो ग्रेनियर को एक घंटे से भी कम समय में 6-1, 6-0 से हराया। महिला वर्ग में स्वियातेक ने बर्नार्डा पेरा पर 6-3, 6-2 से आसान जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला 22वीं वरीयता प्राप्त झेंग किनवेन या 16वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा से होगा। तीसरी वरीय जेसिका पेगुला को मैरी बूजकोवा पर 6-4, 7-6 (2) से जीत दर्ज करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने योशीहितो निशिओका पर 6-2, 7-5 से जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला 10वीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने लगभग तीन घंटे तक चले मैच में रॉबर्टो बॉतिस्ता आगुट को 7-5, 4-6, 6-3 से हराया।

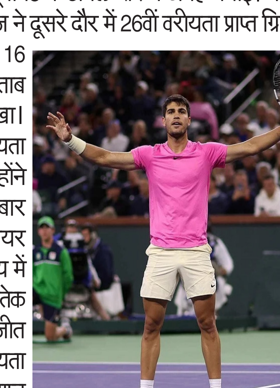

हॉलैंड और केन के रिकॉर्ड गोल, ईपीएल में शीर्ष पर पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर। एर्लिंग हालैंड के रिकॉर्ड गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम को 2-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करके खिताब जीतने की अपनी उम्मीदें जगा दी। हालैंड के गोल से जहां मैनचेस्टर सिटी ने जीत दर्ज की वहीं हैरी केन के रिकॉर्ड गोल के बावजूद टोटेनहैम को हार का सामना करना पड़ा जिससे उसकी अगले सत्र में चैंपियंस लीग में जगह बनाने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। हालैंड ने इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में अपना 50वां गोल दागा जबकि केन ने प्रीमियर लीग में अपना 208 वां गोल करके नई उपलब्धि हासिल की लेकिन उनकी टीम टोटेनहैम इसके बावजूद लिवरपूल से 4-3 से हार गई।

केन प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने वायने रूनी की बराबरी की। अब उनसे आगे केवल एलन शियरर हैं जिन्होंने प्रीमियर लीग में 260 गोल किए थे। हालैंड ने प्रीमियर लीग के एक सत्र में

सर्वाधिक 34 गोल करने के शियरर और एंडी कोल के रिकॉर्ड की बराबरी की। शियरर और एंडी कोल ने जहां 42 मैचों के सत्र में यह उपलब्धि हासिल की थी वही वर्तमान सत्र 38 मैचों का है और हालैंड को अभी छह और मैच खेलने हैं। केन जहां टोटेनहैम को अभी तक खिताब नहीं दिला पाए हैं वहीं हालैंड ने सिटी की खिताब जीतने की उम्मीदों को पंख लगा दिए हैं।

नार्वे के इस स्ट्राइकर ने तीसरे मिनट में ही पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। कार्लोस विनीसियस ने 15 वें मिनट में फुलहम को बराबरी दिलाई जबकि जूलियन अल्वारेज ने 36वें मिनट में सिटी की तरफ से दूसरा गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से सिटी के 32 मैचों में 76 अंक हो गए हैं और वह आर्सेनल से एक अंक आगे हो गया है जिसके 33 मैचों में 75 अंक हैं। दूसरी तरफ टोटेनहैम 34 मैचों में 54 अंक के साथ छठे स्थान पर खिसक गया है जबकि लिवरपूल उससे आगे पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। उसके 33 मैचों में 56 अंक हैं।

रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस ने दिया बर्थडे गिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने अपने होम ग्राउंड पर राजस्थान रॉयल्स को बेहद ही रोमांचक मुकाबले में मात दी है। इस मुकाबले में 6 विकेट से मुंबई इंडियंस ने राजस्थान को हराया है। राजस्ठान की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 212 रनों का स्कोर खड़ा किया जिसे अंतिम ओवर में टिम डेविड की बदौलत मुंबई इंडियंस ने हासिल किया है।

अंतिम ओवर में मुंबई को 17 रनों की दरकार थी, टिम डेविड ने लगातार तीन छक्के जडे ,जिसकी बदौलत मैच मुंबई की टीम की झोली में गिरा। मुंबई की टीम के लिए टिम डेविड ने शानदार बल्लेबाजी की और 14 गेंदों में नाबाद 45 रन बनाकर मुंबई को विजेता बनाया। वहीं सूर्यकुमार यादव ने भी अर्धशतकीय पारी खेलकर 59 रन बनाए और तिलक वर्मा ने नाबाद 29 रनों की पारी खेली और जीत में अपना योगदान दिया।

यशस्वी जायसवाल के पहले शतक की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ सात विकेट पर 212 रन बनाये। जायसवाल ने 62 गेंद में 16 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 124 रन की पारी खेली। वहीं मुंबई के खिलाफ इस सत्र में किसी टीम ने तीसरी बार 200 से अधिक रन बनाये हैं। जायसवाल के इस सत्र में 400 से अधिक रन हो गए हैं और उन्होंने इस सत्र का सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। उन्हें रिले मेरेडिथ को खासी नसीहत देते हुए आठ चौके और एक छक्का जड़ा। मेरेडिथ ने चार ओवर में 51 रन दे डाले। राजस्थान के बाकी बल्लेबाज हालांकि टिककर नहीं खेल सके लेकिन जायसवाल ने रनगति को बनाये रखा। उन्होंने जोस बटलर (18) के साथ पहले विकेट के लिये 72 रन जोड़े। बटलर ने आठवीं गेंद पर खाता खोला जबकि जायसवाल ने शुरूआती ओवरों में कैमरन ग्रीन और जोफ्रा आर्चर को छक्के जड़े। उन्होंने मेरेडिथ के एक ओवर में चार चौके लगाकर रॉयल्स को पांच ओवर में 50 रन के पार पहुंचाया। पावरप्ले के बाद राजस्थान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 65 रन था। बेल्जियम में कोहनी के आपरेशन के बाद लौटे आर्चर ने शुरूआत में करीब 150 की रफ्तार से गेंद डाली। पहले स्पैल में हालांकि उन्होंने दो ओवर में 21 रन दे डाले। स्पिनर पीयूष चावला ने पहले ओवर में प्रभावी गेंदबाजी की और दूसरे ओवर में बटलर का विकेट लिया। राजस्थान के कप्तान संजू सैमन 14 रन बनाकर अरशद खान का शिकार हुए। अरशद ने तीन ओवर में 39 रन देकर तीन विकेट लिये। जायसवाल ने 11वें ओवर में चावला को चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। चावला ने देवदत्त पडिक्क्ल के रूप में दूसरा विकेट लिया। मैच शुरू होने से पहले बीसीसीआई ने आईपीएल के 1000वें मैच के उपलक्ष्य में दोनों कप्तानों रोहित शर्मा और संजू सैमसन को स्मृति चिन्ह दिये। इसके अलावा राजस्थान के मुख्य कोच कुमार संगकारा और मुंबई इंडियंस के आइकन सचिन तेंदुलकर को भी स्मृति चिन्ह दिये गए। अप्रैल 2013 में मुंबई के कप्तान बने रोहित का यह 150वां मैच था।

लक्ष्य का पीछा करते हुए हमने बीच के ओवर में लय गंवा दीः वार्नर

नयी दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नौ रन की हार झेलने के बाद दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वार्नर ने कहा कि उनकी टीम ने बीच के ओवर में लगातार विकेट गंवाने के कारण अपनी लय गंवा दी। सनराइजर्स हैदराबाद ने शनिवार को यहां छह विकेट पर 197 रन बनाने के बाद दिल्ली की पारी को छह विकेट पर 188 रन पर रोक दिया। वार्नर ने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, " यह अच्छी पिच है और नौ रन से हरा को पचना मुश्किल है। हम लक्ष्य से थोड़ा दूर रह गये। हमने गेंद से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया लेकिन मिशेल मार्श ने कमाल की गेंदबाजी की। ''वार्नर ने कहा, " जब आपके दो बल्लेबाज अच्छी बल्लेबाजी करते है तो उस लय बो बनाये रखना जरूरी होता है। यह भी जरूरी होता है कि उसमें से कोई एक आखिर तक पारी को ले जाये। अगर हम ऐसा करते तो मैच हमारी मुट्ठी में होता।'' उन्होंने कहा, " जब आप बीच के ओवरों में लगातार विकेट गंवाते है और साझेदारी नहीं कर पाते है तो चीजें मुश्किल हो जाती है।'' उन्होंने शानदार लय में चल रहे अक्षर पटेल को सातवें क्रम पर भेजने के फैसले का बचाव करते हुए कहा, " वह अच्छे लय में है।

सम्पादकीय

चीन से अधिक आबादी भारत के लिए सुनहरा मौका

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (ळ्ईई) की बुधवार को जारी 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पॉप्युलेशन रिपोर्ट 2023' में बताया गया है कि इस साल जून के आखिर तक भारत की आबादी चीन से करीब 29 लाख ज्यादा हो जाएगी। जानकारों के मुताबिक, इसका मतलब यह है कि भारत की आबादी अभी ही चीन से ज्यादा हो चुकी है। हालांकि दोनों देशों की आबादी जिस रफ्तार से बढ़ रही थी, उसके मद्देनजर यह कोई चौंकाने वाली सूचना नहीं है। पहले से यह ट्रेंड दिख रहा था और यह होना तय माना जा रहा था। फिर भी, अगर भारत अब आबादी के लिहाज से दुनिया में पहले नंबर पर और चीन दूसरे नंबर पर आ गया है तो इसके कुछ निश्चित मायने हैं जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। अव्वल तो यह कि चीन में कामकाजी आबादी का अनुपात अब कम होता जाएगा जबकि भारत में यह अनुपात कम से कम 2055 तक एक पॉजिटिव फैक्टर के रूप में मौजूद रहने वाला है। संभवतः यह भी एक वजह है कि खबर आने के बाद चीन ने इसे नजरअंदाज करने की कोशिश की। उसने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता और यह कि उसके पास अब भी करीब 90 करोड़ लोगों की वर्कफोर्स मौजूद है। लेकिन फिर उसने यह भी कहा कि वर्कफोर्स में संख्या से ज्यादा अहमियत उसकी गुणवत्ता की होती है और उसके पास एजुकेटेड वर्कफोर्स है। चीन की ऐसी प्रतिक्रिया अकारण नहीं है। माओ काल में और उसके बाद भी सिंगल चाइल्ड की सख्त पॉलिसी ने समाज में ऐसे ट्रेंड विकसित कर दिए, जिनसे चीनी नेतृत्व चाहकर भी पीछा नहीं छुड़ा पा रहा। हाल के वर्षों में जब सिकुड़ती आबादी के खतरे नजर आने लगे, तब चीन सरकार ने नई पीढ़ी के लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने की कम कोशिशें नहीं कीं, लेकिन इन सबका कोई फल निकलता नहीं दिख रहा। इसके दुष्प्रभाव केवल चीनी अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहने वाले। विशालकाय कामकाजी आबादी की बदौलत पिछले दशकों में चीन सस्ते श्रम के जरिए पूरी दुनिया में सस्ते प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट करता रहा, लेकिन अब वहां मजदूरी बढ़ रही है। इसलिए चीन के कई बिजनेस वियतनाम जैसे देशों में शिफ्ट हो रहे हैं, जहां लागत कम है। बहरहाल, ये चुनौतियां भारत के लिए नए अवसर साबित हो सकती हैं। दुनिया के बड़े देशों में आने वाले वक्त में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार सबसे तेज रह सकती है। इस दशक के खत्म होने से पहले ही वह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका होगा। लेकिन तेज आर्थिक तरक्की के लिए जहां सरकार को सही नीतियां बनानी होंगी, वहीं उसे आर्थिक सुधार भी जारी रखने होंगे। इसके साथ वर्कर्स की स्किल में बेहतरी भी जरूरी है, जो कमजोर पहलू रहा है।

मन की बात ने दोतरफा संवाद की जो व्यवस्था कायम की उससे लोकतंत्र और मजबूत हुआ

नीरज कुमार दुबे

राजनेता तमाम परियोजनाएं और कार्यक्रम शुरू करते हैं लेकिन उन्हें इस बात की फिक्र नहीं होती कि उसमें से कितनी परियोजनाएं पूरी होती हैं या कितने कार्यक्रम बिना किसी बाधा के निरंतर चलते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंदाज सबसे अलग है। वह जो परियोजनाएं शुरू करते हैं उसका शिलान्यास से लेकर उद्घाटन तक वह करते हैं। जो कार्यक्रम वह शुरू करते हैं वह निरंतर चलते भी हैं और रिकॉर्ड भी बनाते हैं। अब 'मन की बात' को ही लीजिये। प्रधानमंत्री बनने के बाद देश से सीधा संवाद कायम करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन अक्टूबर 2014 को रेडियो पर 'मन की बात' कार्यक्रम शुरू किया था जिसकी सौंवी कड़ी 30 अप्रैल 2023 को प्रसारित हो रही है।

मासिक आधार पर प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम की सौ कड़ियां पूरी होना एक अनोखा रिकॉर्ड तो है ही साथ ही इससे यह भी प्रदर्शित होता है कि प्रधानमंत्री देश की जनता से सीधे जुड़ने के लिए कितना आतुर रहते हैं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि 'मन की बात' में मुद्दे उठाने के लिए प्रधानमंत्री देशवासियों से उनके सुझाव आमंत्रित करते हैं, जितने भी सुझाव आते हैं उन्हें वह देखते हैं, इससे उन्हें पता चलता है कि देश में क्या-क्या चल रहा है, क्या नई चुनौतियां और समस्याएं हैं या देश की जनता सरकार के बारे में क्या सोचती है। प्राप्त सुझावों में से बेहतरीन सुझावों का वह अपने कार्यक्रम में जिक्र करते हैं जिससे देशवासी भी खुशी से फूले नहीं समाते।

आज के इस आधुनिक युग में जहां हर पल घटनाएं तीव्रता से बदलती हैं और हर कोई तमाम मीडिया या सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से हर विषय पर समाचारों से अवगत रहता है उसके बावजूद लोग यदि सामूहिक रूप से बैठ कर प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने के लिए हर महीने के आखिरी रविवार का इंतजार करते हैं तो यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री के 'मन की बात' ही 'जनता के मन की बात' है क्योंकि देश-दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता होने के बावजूद मोदी ने इस कार्यक्रम को राजनीति से दूर ही रखा है। इस कार्यक्रम में वह देश की प्रगति, चुनौतियों और लक्ष्यों की चर्चा तो करते ही हैं साथ ही आम भारतीयों की उपलब्धियों और उनकी प्रेरक कहानियों से भी देश को रूबरू करवाते हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री की बदौलत रेडियो सुनने वालों की संख्या बढ़ी है और इस माध्यम में उनकी रुचि फिर से जगी है। इस रेडियो कार्यक्रम ने सामुदायिक बंधन को प्रगाढ़ करने में भी मदद की है।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' को जनता कितना पसंद करती है इसका अंदाजा हाल के कुछ सर्वेक्षण परिणामों से लग जाता है। आंकड़ों के मुताबिक, लगभग 23 करोड़ लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को हर महीने के आखिरी रविवार को सुनते हैं, जिसमें 65 प्रतिशत श्रोता हिंदी में उनकी बात सुनना पसंद करते हैं। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि

'मन की बात' कार्यक्रम मोबाइल फोन के बाद टेलीविजन चैनलों पर अधिक सुना जाता है। सर्वेक्षण के मुताबिक कुल श्रोताओं में से 44.7 प्रतिशत टेलीविजन सेट पर कार्यक्रम सुनते हैं, जबकि 37.6 प्रतिशत मोबाइल फोन पर इसे सुनते हैं। रेडियो श्रोताओं की संख्या कुल श्रोताओं का 17.6 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 100 करोड़ से अधिक लोगों ने कम से कम एक बार कार्यक्रम को सुना है, जबकि लगभग 41 करोड़ सामयिक श्रोता थे। सर्वेक्षण में पाया गया कि मन की बात सुनने वाले लोगों में से 73 प्रतिशत ने सरकार के कामकाज और देश की प्रगति के बारे में आशावादी महसूस किया, जबकि 58 प्रतिशत ने कहा कि उनके जीवनस्तर में सुधार हुआ है। 59 प्रतिशत लोगों ने इस कार्यक्रम की बदौलत सरकार में भरोसा बढ़ने की बात भी कही है। सर्वेक्षण के अनुसार, सरकार के प्रति आम धारणा का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 63 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि सरकार के प्रति उनका दृष्टिकोण सकारात्मक हो गया है और 60 प्रतिशत ने राष्ट्र निर्माण के लिए काम करने में रुचि दिखाई। सर्वेक्षण में पाया गया कि 'मन की बात' कार्यक्रम के सबसे लोकप्रिय विषय भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियां, आम नागरिकों की कहानियां, सशस्त्र बलों की वीरता, युवाओं, पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन से जुड़े मुद्दे थे। हम आपको यह भी बता दें कि 'मन की बात' का स्वरूप इतना व्यापक है कि इसे 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा, फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तू, फारसी, दारी और स्वाहिली जैसी 11 विदेशी भाषाओं में भी प्रसारित किया जाता है। साथ ही इस कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी के 500 से अधिक केंद्रों द्वारा किया जाता है।

इसके अलावा एक और अध्ययन सामने आया है। उसके मुताबिक, आकाशवाणी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को प्रेरणा का एक विश्वसनीय स्रोत तथा कृषि और उद्यमिता विकास के लिए व्यापक जागरूकता के माध्यम के रूप में पहचान हासिल हो चुकी है। अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार, प्राकृतिक खेती, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, और एकीकृत कृषि प्रणाली (विविधीकरण) को अपनाने की इच्छा मन की बात के एपिसोड में शामिल छोटे किसानों का सबसे पसंदीदा विषय थे। इसके अलावा, मोटे अनाज के किसानों के साथ एक अन्य आकलन से पता चला है कि कृषि विज्ञान केंद्र के पेशेवरों द्वारा मन की बात और अनुवर्ती कार्रवाई के माध्यम से दिए गए संदेश ने मोटे अनाज की उन्नत किस्मों को अपनाने की प्रक्रिया और उत्पादन प्रणाली पर किसानों की धारणा को मजबूत किया है। इसके अलावा, मन की बात कार्यक्रम ने कृषि-स्टार्टअप को किसानों को लाभान्वित करने वाले नवीन समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भी प्रेरित किया है।

दूसरी ओर, मन की बात की सौंवी कड़ी का प्रसारण देशभर में होने के साथ ही संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से होना भी बड़े गर्व की बात है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 100वीं कड़ी का संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के 'ट्रस्टीशिप काउंसिल चैंबर' में सीधा प्रसारण करने के बंदोबस्त किये। इसके अलावा, भाजपा ने भी 'मन की बात' की 100वीं कड़ी को 'अभूतपूर्व' जनसंपर्क कार्यक्रम बनाने के लिए हर संभव प्रयास किये और इसके तहत उसने देश भर के हर विधानसभा क्षेत्र में औसतन 100 स्थानों पर सुविधाएं आयोजित कीं ताकि लोग कार्यक्रम को सुन सकें। भाजपा ने विदेशों में भी 'मन की बात' के सीधे प्रसारण के प्रबंध किये। बताया जा रहा है कि पार्टी ने एक साथ चार लाख स्थानों पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने की व्यवस्था करवाई है। इसके साथ ही तमाम सरकारी विभागों की ओर से भी 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनवाने के लिए प्रबंध किये गये।

बहरहाल, 'मन की बात' के असर पर तमाम राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय भी अध्ययन करवा रहे हैं क्योंकि इस कार्यक्रम के जरिये प्रधानमंत्री ने भारत में दोतरफा संवाद की जो व्यवस्था कायम की है उसने लोकतंत्र की मजबूती में अहम योगदान दिया है।

कश्मीर का विकास जिन लोगों से देखा नहीं जा रहा, वह घाटी की शांति को भंग कर रहे हैं

ललित गर्ग

कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है। यहां के बर्फ से ढके पहाड़ और खूबसूरत झीलें पर्यटकों आकर्षित करती हैं। कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता की वजह से इसे भारत का स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। इसी कारण यहां हर साल हजारों की संख्या में भारतीय और विदेशी पर्यटक आते हैं। हर किसी का सपना होता है कि वह चारों तरफ से खूबसूरत वादियों से घिरा हुआ जम्मू-कश्मीर की सुंदरता को एक बार तो जरूर देखें। यहां की बर्फीली पहाड़ियां, शांत वातावरण और खूबसूरत नजारे इस वादी की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं, यहां का मौसम साल भर सुहावना बना रहता है। यहां का शांत वातावरण, हरा-भरा पहाड़ी परिदृश्य, वनस्पतियां, झील और नदी इस वैली को जन्नत बनाने का काम करती हैं। प्रकृति की असल खूबसूरती आप यहां आकर देख सकते हैं। प्रदूषण रहित यह स्थल आपको आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराएगा। लेकिन इन शांत एवं खूबसूरत वादियों में पडोसी देश पाकिस्तान एवं तथाकथित उन्मादी तत्व आतंक की घटनाओं को अंजाम देकर अशांति फैलाते रहते हैं। ऐसे ही जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके में एक आतंकी हमले के बाद सेना के वाहन में आग लगने से पांच जवान शहीद हो गए, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। नागरोटा में तैनात सेना की 16वीं कोर ने शहीद हुए सैनिकों की पहचान हवलदार मंदीप सिंह, लांसनायक देबाशीश बस्वाल, लांसनायक कुलवंत सिंह, सिपाही हरकृष्ण सिंह और सिपाही सेवक सिंह के रूप में बताई है। शहीद हुए पांच सैनिकों में से चार पंजाब के और एक ओडिशा का रहने वाला था। देबाशीश बस्वाल ओडिशा के अलगुम सामिल खंडायत के निवासी थे, जबकि मंदीप सिंह पंजाब के चानकोईयां काकन गांव के, हरकृष्ण सिंह तलवंडी बारथ गांव के, कुलवंत सिंह चारिक के और सेवक सिंह वाघा के रहने वाले थे। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने वाहन पर गोलियों के निशान देखे हैं और वहां से ग्रेनेड के टुकड़े बरामद हुए हैं, जिससे इसके आतंकी हमला होने की पुष्टि हुई है।

लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर के पुंछ इलाके में हुए इस आतंकी हमले की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि इसे जम्मू-कश्मीर में जी-20 सम्मेलन से पहले एक

सुनियोजित हमला बताया जा रहा है। यह हमला ऐसे समय में किया गया, जब भारत इस साल जी-20 समिट की अध्यक्षता कर रहा है। इसके तहत लेह में 26 से 28 अप्रैल को और श्रीनगर में 22 से 24 मई को बैठक होनी है। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के ट्रक पर हुआ आतंकी हमला इसी माह लेह में और अगले महीने श्रीनगर में होने वाली जी-20 समिट की बैठकों को रद्द कराने की साजिश के तहत किया गया था। मैंने हाल ही अपनी एक सप्ताह की कश्मीर यात्रा में देखा कि केन्द्र सरकार कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार करने में जुटी है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही हैं, बल्कि पिछले 8 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ लोगों को बन्दूक से सन्दूक तक एवं आतंक से अमन-चैन तक लाने का, बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन-सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार का जादू रहा है। मोदी कश्मीर को जी-20 की बैठक के लिये चुनकर दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि नेतृत्व चाहे तो दुनिया से आतंकवाद को समाप्त किया जा सकता है। इस बैठक में जी-20 सदस्य देशों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में भाग लेंगे। कश्मीर सहित समूची दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने का नेतृत्व करके मोदी एक और करिश्मा घटित करने को तत्पर है, पुंछ जैसी घटनाएं उनके इरादों को कमजोर नहीं, बल्कि बलशाली ही बनाती हैं। जिस जगह पर हमला हुआ वहां पर सीमा सड़क संगठन द्वारा एक बोर्ड लगाया गया है जिसमें लिखा है कि हेलमेट लगाकर दोपहिया वाहन चलाएं, इस बोर्ड के ऊपर भी गोलियों के निशान बने हुए हैं। जहां पर हमला हुआ वहां पर एक बहुत बड़ा पत्थर है इस पत्थर की आड़ लेकर भी आतंकियों ने सैन्य वाहन पर गोलीबारी की। आतंकियों ने जिस जगह पर सैन्य वाहन पर हमला किया उस जगह पर सड़क के नीचे से एक पुलियां गुजरती है जिसमें एक नहीं कई लोग आराम से छिप कर बैठ सकते हैं। सड़क के किनारे पर अभी भी सामान बिखरा हुआ पड़ा है। जबकि सड़क के दोनों तरफ काफी घना जंगल है जिसके अंदर आतंकी सुरक्षित शरण लेकर अपने ठिकानों तक पहुंच सकते हैं। 15 अगस्त 47 के दिन से ही पड़ोसी देश पाकिस्तान एक दिन भी चुप नहीं बैठा, लगातार आतंक की आंधी को पोषित करता रहा, अपनी इन कुचेष्ठाओं के चलते वह कंगाल हो चुका है, आर्थिक बदहाली में कटोरा लेकर दुनिया घूम आया, अब कोई मदद को तैयार नहीं, फिर भी उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। आए दिन की हिंसक घटनाएं आम नागरिकों में भय का माहौल ही बनाती हैं। माना कि रोग पुराना है, लेकिन ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज होना ही चाहिए। इनमें अपनी सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। घाटी में सक्रिय आतंकियों के खात्मे में सुरक्षा तंत्र ने काफी कामयाबियां हासिल की हैं।

श्रीराम जन्मस्थली अयोध्या की तरह मां सीता की जन्मस्थली पुनौराधाम का भी विकास हो

प्रभात झा

बिना राम के सीता नहीं और बिना सीता के राम नहीं। सृष्टि का यथार्थ यही है। संपूर्ण विश्व में सभी लोग भगवान् को याद करते हैं तो एक स्वर से सीता-राम ही कहते हैं। अयोध्या में रामलला की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण प्रारंभ हो चुका है। विश्व के लिए यह सुखद सुचना है। विश्वभर में सीताराम के अनुयायी यही चाहते थे कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बने। इसके लिए वे सभी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने अनवरत वर्षों संघर्ष किया और अंत में न्यायालय से भव्य मंदिर बनाने की स्वीकृति मिली। यह तो बात हुई भगवान् श्री राम की। अब ध्यान देने की आवश्यकता है मां सीता का प्राकट्यस्थल जो बिहार के सीतामढ़ी से 3-4 किलोमीटर दूर पुनौराधाम कहलाता है। मां सीता सिसक-सिसक कर रो रही हैं। न वहां मस्जिद है, न चर्च है और न कोई जमीनी विवाद है। प्राकट्यस्थल का कुण्ड भी मौजूद है और छोटा-सा मंदिर भी बना हुआ है। लेकिन मां सीता के प्राकट्यस्थल का जो भव्य स्वरूप होना चाहिए उसकी ओर ना तो बिहार के संस्कृति मंत्रालय और न ही केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय का विशेष ध्यान जा रहा है। पूरे भारत में सबकी जुबां पर एक ही बात है- 'जब अयोध्या में श्रीरामलला का भव्य मंदिर बन रहा है, पुनौराधाम में मां जानकी के प्राकट्यस्थल का जीर्णोद्धार क्यों नहीं हो रहा है?' अब समय आ गया है जब पुनौराधाम भारत के पांचवें धाम के रूप में स्थापित किया जाए। पहले तो लोगों को पता ही नहीं था कि पुनौराधाम है कहां। लेकिन जगतगुरु रामभद्राचार्य जी ने शास्त्रों के आधार पर यह सिद्ध कर दिया कि पुनौराधाम ही मां सीता का प्राकट्यस्थल है। संसद से लेकर सड़क तक यह बात धीरे-धीरे स्थापित हो गई कि पुनौराधाम ही मां जानकी का प्राकट्यस्थल है। जगतगुरु रामभद्राचार्य जी दस वर्षों से जानकी नवमी पर पुनौराधाम में अनवरत, निःशुल्क कथा कर यह संदेश दे रहे हैं कि मिथिलावासियों और भारतवासियों मां जानकी के प्राकट्यस्थल के जीर्णोद्धार और उसकी भव्यता में सभी लोग सहयोग करें। कैलाश से कन्याकुमारी और कामाख्या से कच्छ तक सम्पूर्ण भारत भूमि तीर्थ स्थानों से भरे हैं। लेकिन मिथिला की भूमि का सदैव से विशेष महत्व रहा है। मिथिला की भूमि को 'सुरवंदिता' कहा गया है, क्योंकि देवता भी यहां निवास करने के लिए सर्वदा आतुर रहते हैं। पुराणों के अनुसार सनातन के कई पवित्र स्थान मिथिलापुरी में ही स्थित हैं। मां सीता जी के प्राकट्यस्थल होने के कारण पुण्यारण्य (पुनौराधाम) की पवित्र भूमि परमदर्शनीय और पुण्यदायक है। धर्मशास्त्रों में तीर्थ के तीन रूपों का वर्णन है- नित्य तीर्थ, भगवदीय तीर्थ और सत तीर्थ। इसमें पुण्यारण्य (पुनौराधाम) को सनातन से तीनों रूप प्राप्त हैं। भगवती माता सीता जी इसी भूमि से अवतरित हुई थीं, जिस कारण यह भगवदीय तीर्थ है। पुण्डरीक ऋषि का पावन आश्रम होने से यह सत तीर्थ है। अयोध्या, मथुरा आदि की तरह लीला भूमि होने से पुनौराधाम को नित्य तीर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है। वृहद विष्णुपुराण के मिथिला खंड में वर्णित है कि हम संसार में प्राणियों की सारी मनोकामनाएं पूरी करने वाली विशेष फलदायक यज्ञ स्थली पुण्योर्वरा (पुनौराधाम) की यात्रा और दर्शन विशेषकर चैत्र श्री रामनवमी और वैशाख श्री जानकी नवमी में मोक्ष के अभिलाषी को करने चाहिए, क्योंकि दोनों तिथि क्रमशः श्री राम जी का जन्मदिवस और मां सीता जी का प्राकट्य दिवस है।

शास्त्रों में वर्णन है कि एक बार सम्पूर्ण मिथिला में घोर दुर्भिक्ष पड़ गया। अनावृष्टि से मिथिलावासियों में त्राहि-त्राहि मच गई। लोग अन्न

और जल के अभाव में दम तोड़ने लगे। सब जीव-जंतु व्याकुल हो उठे। उस समय मिथिला में महाराजा निमि के वंशज राजा जनक राज कर रहे थे। 'यज्ञ से वर्षा होती है और वर्षा के प्रभाव से अन्न उत्पन्न होता है', इससे प्रभावित होकर राजर्षि जनक ने अपने राज्य के विद्वानों, ऋषि-मुनियों और ज्योतिषियों की आपातकालीन सभा बुलाकर भीषण दुर्भिक्ष की विभीषिका से त्राण पाने के उपाय पर विचार-विमर्श किया। सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि राजा जनक को हलेष्ठी यज्ञ करना चाहिए। इसके निमित्त शोध के आधार पर पुण्यारण्य (पुण्डरीक आश्रम) को उपयुक्त स्थान के रूप में चयन किया गया। वृहद विष्णुपुराण के मिथिला माहात्म्य के अष्टम अध्याय में वर्णित है कि राजर्षि जनक का जो प्राचीन दुर्ग था, उसके पारतः पंचकोशी चार विशाल द्वार थे। वे इन दिनों भी वर्तमान जनकपुरधाम से क्रमशः दस मील उत्तर की ओर धनुषा, दस मील दक्षिण की ओर गिरजा स्थान, दस मील पूरब की ओर हरिहरालय महादेव और दस मील पश्चिम जलेश्वरनाथ के नाम से लोक विदित हैं। यह स्पष्ट है कि महाराजा जनक इसी जलेश्वरनाथ (शिव जी का जलशयन स्थल) से पश्चिम भाग में शास्त्रवत अठासी ऋषियों एवं रानी सुनैना सहित तीन योजना के बाद हलेष्ठी यज्ञार्थ पुण्डरीक आश्रम पुण्यारण्य पधारे थे, जहां हलेष्ठी यज्ञ की सिद्धि प्राप्त हुई और मां जानकी का प्राकट्य हुआ। पद्मपुराण में कहा गया है कि जानकी नाम तो जनक जी के वंशानुगत जनक शब्द से रखा गया, लेकिन शास्त्रानुसार उनका नाम 'सीता' होना अपेक्षित है, क्योंकि सीत (फार का नुकीला अग्र भाग) और सीता(सिराउर) के संयोग से उत्पत्ति होने के कारण सीता नाम की पुष्टि होती है। जन्म के बाद लौकिक एवं वैदिक रीतियों से वर्षा से बचाने के लिए 'मड़ई' (मढ़ी) में मां सीता जी रखी गईं तथा उस स्थान का नाम सीतामढ़ी हुआ।

पुण्डरीक आश्रम में उत्पन्न होने से बालिका मां सीता की अधिकारी पुंडरीक ऋषि हुए। एक बार सूर्य ग्रहण के समय यह भूमि राजा जनक ने पुंडरीक ऋषि को दक्षिणा में दे दी थी। प्रत्युत तपस्वी पुंडरीक ने बालिका मां सीता को महाराजा जनक को अर्पित कर दिया। ऋषि द्वारा प्रदत्त बालिका मां सीता को अड़क में धारण कर जया मानकर जानकी नाम से विभूषित किया। इसका वर्णन पद्मपुराण के स्वर्गखंड में मिलता है। जया से जानकी सिद्ध होता है। शास्त्रवत जिसमें मातृत्व और पितृत्व गुण वर्तमान हो, लेकिन किसी माता-पिता के द्वारा उस संतान का जन्म नहीं हुआ हो, बल्कि स्वयं धरती से उत्पन्न हुई हो, ऐसी संतान को जया के नाम से अभिहित करते हैं। इस प्रकार जिस पावन पुनौराधाम की पावन भूमि से भगवती स्वयं जानकी के रूप में प्रकट हुईं उसे जयातीर्थ कहा गया।

पुण्डरीक क्षेत्र अर्थात पुनौराधाम, जहां मां जानकी जी का प्राकट्य हुआ, वहां कई पुरातन स्मृतियां हैं, जिनका वर्णन और वहां की भाषाओं का उल्लेख रामायण, पुराणों, संहिताओं एवं इतिहास के पृष्ठों में स्वर्णाक्षरों में वर्णित है, सनातन में अविस्मरणीय-अमिट है। पुनौराधाम में प्रवेश मात्रा से प्राणी पवित्र हो जाता है। मां जानकी कुण्ड में जलस्पर्श एवं स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। मां जानकी जन्म कुण्ड को पुण्यनिधि कहा गया है। शास्त्रों-पुराणों में वर्णन है कि यहां तीर्थाटन करने से सभी पापों, संकटों से मुक्ति पाकर श्रद्धालु पुण्यलोक की प्राप्ति कर सकते हैं। मां सीता जी के प्राकट्यस्थल पुनौराधाम का धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकास वैसा नहीं हुआ जैसा श्री राम जी की जन्मस्थली अयोध्या का हुआ है। हम किसी सरकार पर अनदेखी या उपेक्षा का आरोप नहीं लगाते लेकिन इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि पुनौराधाम को धार्मिक पर्यटन स्थल बनाने की दृष्टि से जिस तेजी से काम होना चाहिए था वह अभी भी नहीं हो रहा है। पहले लोगों के मन में यह था कि मां जानकी का प्राकट्यस्थल जनकपुर है जबकि जनकपुर मां सीता का ननिहाल और विवाहस्थल है। जनकपुर में श्री रामजी ने शिव जी का धनुष तोड़ा था। लेकिन धीरे-धीरे 'मां जानकी का प्राकट्यस्थल पुनौराधाम ही है' की पुष्टि शास्त्रों के साथ-साथ अनेक ऐतिहासिक प्रमाणों से भी स्वतः सिद्ध हो गई। आज इस बात की महती आवश्यकता है कि राज्य और केंद्र सरकार दोनों मां सीता प्राकट्यस्थल को गोद लें और उसे अयोध्या की तरह भव्यता प्रदान करने की दिशा में कारगर कदम उठायें।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के राष्ट्रपति पौडेल एम्स से उपचार के बाद स्वदेश लौटे

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को सीने से जुड़ी समस्या के उपचार के बाद नयी दिल्ली स्थित एम्स से छुट्टी मिल गई और वह रविवार रात काठमांडू लौटे। राष्ट्रपति कार्यालय ने यह जानकारी दी। पौडेल (78) को सांस लेने में तकलीफ के बाद 19 अप्रैल को नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज के लिए भारत ले जाया गया था। राष्ट्रपति कार्यालय ने यहां एक बयान में कहा, "राष्ट्रपति पौडेल का उपचार सफल रहा। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद रविवार को नेपाल एयरलाइंस की नियमित उड़ान के जरिए वह काठमांडू लौट आये।" बयान में कहा गया है, "एम्स में स्वास्थ्य संबंधी उनकी कई जांच और उपचार हुआ है।" पौडेल के इलाज में शामिल डॉक्टरों ने उन्हें कुछ और हफ्ते आराम करने की सलाह दी है। स्वास्थ्य समस्याओं के बाद पौडेल को 18 अप्रैल को काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था और फेफड़े में संक्रमण होने का पता चलने पर उन्हें आगे के इलाज के लिए नयी दिल्ली भेजा गया था।

सड़क परिवहन, राजमार्ग क्षेत्र की सबसे ज्यादा 402 परियोजनाएं अपने समय से पीछे

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र में सबसे अधिक 402 परियोजनाएं लंबित हैं। इसके बाद रेलवे की 115 और पेट्रोलियम क्षेत्र की 86 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। सरकार की एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। अवसंरचना क्षेत्र की परियोजनाओं पर मार्च, 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र में 749 में से 402 परियोजनाओं में देरी हो रही है। रेलवे की 173 में से 115 परियोजनाएं अपने समय से पीछे चल रही हैं। वहीं पेट्रोलियम क्षेत्र की 145 में से 86 परियोजनाएं अपने निर्धारित समय से पीछे चल रही हैं। अवसंरचना एवं परियोजना निगरानी प्रभाग (आईपीएमडी) 150 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। आईपीएमडी, सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

शिंदे और फडणवीस को बेलगाम की पार्टी एमईएस के लिए प्रचार करना चाहिए : राउत

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 10 मई को होने जा रहे कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बेलगाम(बेलगावी) की पार्टी 'महाराष्ट्र एकीकरण समिति'(एमईएस) के पक्ष में प्रचार करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि एमईएस दशकों से कर्नाटक के बेलगाम-करवार इलाके के 865 'मराठी भाषी' गांवों को महाराष्ट्र में मिलाने के लिए आंदोलन कर रही है और जिले की कुछ सीटों से चुनाव लड़ रही है। राउत ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, "मैं महाराष्ट्र एकीकरण समिति के लिए वोट मांगने के लिए मराठी भाषी इलाकों में जा रहा हूं। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बेलगाम जाना चाहिए और एमईएस के लिए प्रचार करना चाहिए।" उन्होंने दावा किया, "लेकिन स्थिति अलग है क्योंकि वे (भाजपा नेता) वहां (बेलगावी) उन्हें (एमईएस) हराने गए हैं। उन्हें (भाजपा को) मराठी लोगों को हराने की मंशा से वहां जाने के लिए शर्म महसूस करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ का बड़ा फैसला कहा-रिश्तों में आई दरार नहीं भरती तो रद्द की जा सकती है शादी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत में शादी पवित्र बंधन माना जाता है, जिसमें सात जन्मों तक साथ निभाने की कसमें खाई जाती है। मगर आज के समय में कई रिश्ते लंबे नहीं चल पाते है। इन रिश्तों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक मई को अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने पति पत्नी के रिश्ते को लेकर ये बड़ा फैसला सुनाया है।

सोमवार को पति और पत्नी के बीच रिश्ते में आई दरार खत्म ना होनी की सूरत में दोनों का साथ रहने का अर्थ नहीं रहता है। ऐसे में दोनों के रिश्ते और शादी को खत्म करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सहमति जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को व्यवस्था दी कि वह जीवनसाथियों के बीच आई दरार भर नहीं पाने के आधार पर किसी शादी को खत्म कर सकता है। यानी अगर दो लोगो के लिए शादी को चलाना बिलकुल असंभव है तो वो तलाक ले सकते है।

न्यायमूर्ति एस के कौल की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत पूरा न्याय करने का अधिकार है। संविधान का अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित किसी मामले में 'संपूर्ण न्याय' करने के लिए उसके आदेशों के क्रियान्वयन से संबंधित है। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति ए एस ओका, न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, "हमने व्यवस्था दी है कि इस अदालत के लिए किसी शादीशुदा रिश्ते में आई दरार के भर नहीं पाने के आधार पर उसे खत्म करना संभव है।" न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत उसके अधिकारों के प्रयोग से संबंधित कई याचिकाओं पर यह फैसला सुनाया।

जानकारी के लिए बता दें कि हिंदू मैरिज एक्स 1955 की धारा 13बी के तहत पति पत्नी का रिश्ता ठीक नहीं चलता है तो वो तलाक के लिए फैमिटी कोर्ट में आवेदन दे सकते है। हालांकि फैमिली कोर्ट में बड़ी संख्या में मामले होने के कारण फैसले आने में समय लगता है, जिसके लिए लगभग छह महीने का समय भी लगता है। हालांकि इस बेंच ने अपने फैसले में कहा कि जब शादी को जारी रखना असंभव हो तो सुप्रीम कोर्ट भी सीधे तलाक दिए जाने का आदेश दे सकता है। ऐसी स्थिति में तलाक के मामले में मिलने वाली 6 महीने के इंतजार वाले कानूनी प्रावधान को लागू करना जरुरी नहीं है। इसके अलावा कोर्ट ने गुजारा भत्ता, बच्चों की परवरिश को लेकर भी चर्चा की है।

यूक्रेनी बच्चों की मदद के वास्ते गोपनीय शांति 'मिशन' पर काम चल रहा हैः पोप फ्रांसिस

अबोर्ड द पैपल प्लेन। पोप फ्रांसिस ने खुलासा किया है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद रूस ले जाए गए यूक्रेन के बच्चों की मदद के वास्ते एक खुफिया शांति "मिशन" पर काम चल रहा है। पोप ने हालांकि इस बारे में ज्यादा कोई जानकारी नहीं दी लेकिन कहा कि वेटिकन युद्ध के दौरान रूस ले जाए गए यूक्रेन के बच्चों की वापसी में मदद का इच्छुक है। पोप फ्रांसिस ने हंगरी से देश लौटते वक्त रविवार को हवाई जहाज में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, " मैं मदद के लिए हाजिर हूं। एक मिशन है जो सार्वजनिक नहीं है, जिस पर काम चल रहा है, जब यह सार्वजनिक होगा,मैं इस पर बात करूंगा।"

पोप फ्रांसिस ने उन प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं दिया कि क्या उन्होंने इस सप्ताहांत बुडापेस्ट में हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान अथवा 'रशियन ऑर्थोडॉक्स चर्च'के प्रतिनिधि के साथ शांति पहल के बारे में बात की थी या नहीं। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूक्रेनी बच्चों का देशान्तरण चिंता का विषय रहा है। पोप फ्रांसिस ने कहा कि कुछ कैदियों की अदला-बदली को लेकर मध्यस्थता की गई है और परिवारों को मिलाने के लिए " जो भी संभव होगा" वह किया जाएगा। गौरतलब है कि मार्च में अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूस के बाल आयुक्त के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था और उन पर यूक्रेन से बच्चों को अगवा करने के युद्ध आरोप लगाए थे। रूस ने ऐसे सभी आरोपों से इनकार किया है और उसका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए उन्हें हटाया गया था।

लुधियाना गैस लीक कांडः प्रभावित क्षेत्रों से गैस का असर कम करने के लिए प्रयास किए, फोरेंसिक टीमें ले रही सैंपल

चंडीगढ़। पंजाब के लुधियाना में ग्यासपुरा इलाके के एक हिस्से की सोमवार को घेराबंदी रखी गई है। ये वही इलाका है जहां कथित रूप से जहरीली गैस के

रिसाव से कारण 11 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं इस घटना के बाद पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और जिला प्रशासन भी एक्टिव हो गया है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित इलाके में रात भर रिसाव के असर को कम करने की प्रक्रिया जारी रही। अधिकारियों के अनुसार, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दलों ने इस बात का पता लगाने की कोशिश की कि सीवर में हाइड्रोजन सल्फाइड कैसे बनी जिसकी वजह से हादसा हुआ। अधिकारियों के अनुसार बोर्ड के सदस्य इंडस्ट्रियल यूनिट्स से सैंपल इकट्ठे कर रहे है। इन सैंपलों की जांच केमिकल लैब में टेस्ट के बाद सामने आएगी।

उन्होंने कहा कि हवा में अब जहरीली गैस का प्रकोप नहीं है। शहर के सघन ग्यासपुरा इलाके में रविवार को कथित रूप से जहरीली गैस के रिसाव के बाद तीन बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गयी। बीमार हुए चार और लोगों का एक अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना के संबंध में मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दे दिये गये हैं और पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

लुधियाना की उपायुक्त सुरभि मलिक ने सोमवार को कहा कि इलाके में गैस के असर को सफलतापूर्वक खत्म कर दिया गया है। अधिकारियों ने संदेह जताया था कि इलाके में सीवरेज में किसी रसायन के मिलने से जहरीली गैस का रिसाव शुरू हुआ हो सकता है। अधिकारी यह पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी खंगाल रहे हैं। इलाके में करीब 600 मीटर तक के क्षेत्र की घेराबंदी कर ली गयी है।

घटना की जांच में जुटी टीम ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर भी कब्जे में ले लिए हैं जिसके बाद प्रशासन इनकी जांच में जुट गया है। जानकारी के मुताबिक जिस जगह पर हादसा हुआ है उसी इलाके में एक सीवरेज का ढक्कन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हालत में मिला है। बता दें कि जिन जगह पर हादसा हुआ है वहां 50 इंडस्ट्रियां चल रही है।

गोलीबारी में दो छात्रों की मौत, चार घायल आरोपी गिरफ्तार

बेसेंट लुइस। अमेरिकी पुलिस ने 19 वर्षीय व्यक्ति को मिसीसिप्पी खाड़ी तट स्थित एक घर में पार्टी के दौरान रविवार तड़के दो किशारों की हत्या करने तथा चार अन्य को घायल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जेल रिकॉर्ड के अनुसार, पास क्रिश्चियन शहर के कैमरून एवरेस्ट ब्रांड पर हत्या तथा उत्तेजित होकर हमला करने का आरोप लगाया गया है। बे सेंट लुइस के पुलिस प्रमुख टॉबी श्वाट्र्ज ने एक समाचार विज्ञप्ति में बताया कि पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शी तथा पीड़ितों के बयानों के आधार पर ब्रांड की पहचान की। उसने इस घटना को अकेले ही अंजाम दिया। श्वाट्र्ज ने बताया कि न्यू ओर्लीन्स के एक अस्पताल में 18 वर्षीय तथा 16 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गयी। ब्रांड को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया और जेल भेज दिया गया। अदालत ने उसे जमानत देने से इनकार कर दिया है। यह घटना तब हुई जब छात्र एक घर में पार्टी के लिए एकत्रित हुए थे। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में कुल छह छात्र घायल हुए जिनकी उम्र 15 से 18 वर्ष के बीच थी। इनमें से दो की अस्पताल में मौत हो गई।

सूडान में सेना और अर्धसैनिक बल ने संघर्ष-विराम की अवधि बढ़ायी

काहिरा। सूडान की सेना और उसके प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल ने कहा है कि वे मानवीय संघर्ष-विराम अगले 72 घंटे के लिए बढ़ाएंगे। यह निर्णय नागरिकों और सहायता सामग्री के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद आया है, हालांकि अस्थिरतापूर्ण संघर्ष-विराम से अभी तक संघर्ष रुका नहीं है। बयानों में, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर उल्लंघन का आरोप लगाया। संघर्ष-विराम समझौते से कुछ क्षेत्रों में संघर्ष कम हो गया है, लेकिन हिंसा से नागरिक पलायन कोमजबूर हो रहे हैं। सहायता समूहों को देश में जरूरी आपूर्ति प्राप्त करने में भी मुश्किल हो रही है।

सूडान की सेना और अर्धसैनिक बल के बीच 15 अप्रैल को संघर्ष छिड़ गया था जिससे देश में गृहयुद्ध शुरू हो गया। जनरल अब्दुल-फतह बुरहान के नेतृत्व में सूडान की सेना और जनरल मोहम्मद हमदान डागलो के नेतृत्व में अर्धसैनिक बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' के बीच सत्ता संघर्ष ने सूडान के लोकतांत्रिक देश बनने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इससे पहले रविवार को, रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति के अनुसार, संघर्ष में तबाह हुए अस्पतालों के लिए आठ टन आपातकालीन चिकित्सा सहायता लेकर एक विमान रविवार को देश में उतरा। ये आपूर्ति सैकड़ों घायलों के इलाज के लिए पर्याप्त है।

देश में हिंसा में मरने वालों की संख्या 400 से अधिक हो गई है। रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति ने कहा कि रविवार को चिकित्सा सहायता लेकर एक विमान ने जॉर्डन से उड़ान भरी और पोर्ट सूडान में उतरा। उसने कहा कि इस आपूर्ति में एनेस्थेटिक्स, ड्रेसिंग सामग्री, टांके (स्टिच) और अन्य सर्जिकल सामग्री शामिल है और यह चिकित्सा सामग्री संघर्ष में घायल हुए 1,000 से अधिक लोगों के इलाज के लिए पर्याप्त है। हताहतों की संख्या पर नजर रखने वाले सूडान डॉक्टर्स सिंडिकेट के मुताबिक, पिछले दो सप्ताह से अधिक समय के दौरान देश में संघर्ष में जान गंवाने वाले नागरिकों की संख्या बढ़कर 425 हो गई है, जबकि 2,091 लोग घायल हुए हैं। सूडानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को लड़ाकों सहित मरने वालों की कुल संख्या 528 और घायलों की संख्या 4,500 बताई थी।

'चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी'

नई दिल्ली। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद चालू वित्त वर्ष (2023-24) में भारतीय अर्थव्यवस्था करीब 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने यह राय जताई है। विरमानी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि अमेरिका और यूरोपीय बैंकिंग संकट का भारत के वित्तीय क्षेत्र पर कोई प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, "इसलिए पिछले साल में हुए सभी बदलावों के कारण मैंने 2023-24 के लिए अपने भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को आधा प्रतिशत कम कर दिया है।"

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह आधा प्रतिशत ऊपर या नीचे हो सकता है। विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने हाल में अनुमान लगाया है कि खपत में कमी और चुनौतीपूर्ण बाहरी परिस्थितियों के कारण चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.3 से 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। अंतरराष्ट्रीय

मुद्राकोष (आईएमएफ) ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.1 प्रतिशत से घटाकर 5.9 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, इसके बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक के लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्य पर विरमानी ने कहा, "हमें अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरह होना चाहिए, जिसका मुद्रास्फीति लक्ष्य है, लेकिन वह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को भी ध्यान में रखता है।" सरकार ने केंद्रीय बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) पर रखने का लक्ष्य दिया है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत उस आर्थिक सफलता को दोहरा सकता है जिसने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था और वैश्विक शक्ति का केंद्र बनाया है, विरमानी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि अब किसी अन्य देश को उन अनुचित व्यापार नीतियों की अनुमति दी जाएगी, जो चीन करता रहा है। उन्होंने कहा, "मेरा अनुमान है कि यदि चीन ने अनुचित व्यापार नीतियां नहीं अपनाई होतीं, तो उसकी वृद्धि एक-तिहाई कम रहती।" उन्होंने कहा कि भारत इन तरह की नीतियों के बिना ही 6.5 से सात प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर सकता है।

जहरीले सांप वाले बयान पर खत्म नहीं हुआ था विवाद कि मल्लियार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक ने पीएम मोदी को लेकर दिया विवादित बयान

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जहरीला सापं कहा था। इस मामले पर विवाद अभी थमा नहीं था कि अब मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर विवादित बयान जारी कर दिया है। कर्नाटक में होने जा रहे विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष के बयान के बाद अब उनके बेटे प्रियांक खड़गे ने भी पीएम मोदी को 'नालायक' कह दिया है। उन्होंने कर्नाटक के गुलबर्गा में आयोजित एक रैली में ये बयान दिया है।

प्रियांक ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी का नाम लिए बिना उनकी तरफ इशारा किया। उन्होंने कहा कि यदि घर का बेटा नालायक हो तो घर चलाने में परेशानी होती है। बता दें कि उन्होंने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि जब आप गुलबर्गा आएं तो बंजारा समुदाय को कहा था कि चिंता नहीं करें, क्योंकि बनारत का बेटा बैठा हुआ है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने खुद को बंजारा समुदाय का बेटा कहा है। मगर बेटा नालायक हो घर चलाने में दिक्कतें आती है। बंजारा समुदाय के लिए आरक्षण की समस्या भी हो गई है। बता दें कि खरगे के बेटे प्रियांक के इस बयान ने एक बार फिर कर्नाटक के चुनावी रण में बहस के मुद्दे को हवा दे दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया है। उनके बयान को लेकर भाजपा उनपर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। इन सब के बीच खड़गे ने अपने बयान पर सफाई दी है। खड़गे ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री मोदी और ंएए की विचारधारा के बारे में कुछ कहा, मेरा विचार उनकी विचारधारा को लेकर है। किसी पर निजी आक्रमण नहीं है। इससे पहले एक चुनावी सभा में खड़गे ने एक बयान देते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी 'जहरीले सांप' की तरह है, आप सोचेंगे कि यह जहर है या नहीं। यदि आप इसे चखेंगे, तो आपकी मौत हो जाएगी। खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के साथ हमारी लड़ाई निजी लड़ाई नहीं है। वैचारिक लड़ाई है। मेरा इरादा किसी की भावना आहत करने का नहीं था और अगर ज़ाने अनजाने में किसी की भावना आहत हुई तो ये मेरी मंशा कदापि नहीं थी।

अगले लोकसभा चुनाव के लिए अहम संदेश देगा उप्र का नगरीय निकाय चुनाव : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि इस लिहाज से प्रदेश का नगरीय निकाय चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है और इससे आगामी लोकसभा चुनाव के लिए संदेश भी जाएगा। अखिलेश ने कहा, "भाजपा सरकार जनता से कई तरह के कर वसूलती है, लेकिन उन्हें कोई सुविधा नहीं देती है। स्मार्ट सिटी के नाम पर इसने (भाजपा सरकार ने) धोखा किया है और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है।"प्रदेश में हो रहे नगरीय निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों के प्रचार के लिए गोरखपुर, देवरिया और संतकबीर नगर पहुंचे सपा प्रमुख ने कहा, "भाजपा लोकतंत्र और संविधान को समाप्त कर रही है। महापौर चुनाव महत्वपूर्ण चुनाव हैं, और मैं आप सभी से समाजवादियों को जिताने की अपील करूंगा। यहीं से 2024 (लोकसभा चुनाव) का संदेश जाएगा। यह भाजपा की हार की शुरुआत भी होगी।" उन्होंने कहा कि बेरोजगारी तथा महंगाई काफी बढ़ गई है और इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है। अखिलेश ने दावा किया, "प्रदेश की जनता भाजपा से परेशान महसूस कर रही है और उन्होंने बदलाव लाने का मन बना लिया है। गोरखपुर में सपा पहले भी भाजपा को हरा चुकी है और आगे भी ऐसा करेगी।" प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "कचरा हटाना, नालियां साफ करना, सीवर लाइन जोड़ना और छुट्टा जानवरों की समस्याओं का समाधान करना नगर निगम का कर्तव्य है। हालांकि, इन सवालों का जवाब देने के बजाय (मैं) नहीं जानता कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ क्या कहते रहते हैं। मुख्यमंत्री ने 2017 में गोरखपुर में मेट्रो ट्रेन चलाने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक कोई मेट्रो ट्रेन देखने को नहीं मिली है।" गोरखपुर से सपा की महापौर पद की उम्मीदवार काजल निषाद के पक्ष में वोट मांगते हुए सपा प्रमुख ने कहा, "भाजपा दलितों, सवर्णों, अल्पसंख्यकों और सभी का अपमान कर रही है। हम समाजवादी लोग चाहते हैं कि जातिवार जनगणना करायी जाए ताकि सभी को उनकी आबादी के अनुपात में उनका अधिकार और सम्मान मिले, मगर जातिवार जनगणना के नाम पर भाजपा घबरा जाती है।" यादव ने राज्य में कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा, "जो लोग कानून-व्यवस्था की बात करते हैं, उन्हें बताना चाहिए कि उप्र में स्थाई पुलिस महानिदेशक क्यों नहीं है। कार्यकारी पुलिस महानिदेशक सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनके स्थान पर जिन्हें नियुक्त किया गया है, वह भी एक कार्यवाहक हैं। जो अपने प्रदेश में पुलिस महानिदेशक को नियुक्त नहीं कर सकता उससे कमजोर मुख्यमंत्री कोई और नहीं हो सकता है। सपा मुखिया ने भाजपा पर सांप्रदायिक विभाजन कराने का आरोप लगाते हुए कहा, "वे (भाजपा) अपनी कुर्सी बचाने के लिए नए मुद्दे उठाते हैं, ताकि महंगाई और बेरोजगारी पर कोई बहस न हो।

आज से बदल गए है ये नियम, एलपीजी सिलेंडर समेत इनपर पड़ेगा प्रभाव

नई दिल्ली। नया महीना आज से शुरू हो गया है जिसके बाद कई नियमों में बदलाव भी हुआ है। इस बार रसोई गैस की कीमत में कटौती की गई है। इसके अलावा सरकार ने गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स में भी बड़ा बदलाव किया है। म्यूचुअल फंड के नियम भी बदले है।

बता दें की इस बार रसोई गैस की कीमत में बदलाव देखने को मिला है। पेट्रोलियम कंपनियां रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें हर महीने की पहली तारीख को तय करती है। इस बार कंपनियों ने ग्राहकों को राहत देते हुए

रसोई गैस यानी एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कटौती को है। हालांकि ये कटौती कमर्शियल गैस सिलेंडर के लिए की है। पेट्रोलियम कंपनियों ने इस बार 171 रुपए की कटौती की है। इस कटौती के बाद दिल्ली में कमर्शियल रसोई गैस की कीमत 1856.50 रुपए हो गई है। पिछले महीने यानी एक अप्रैल को भी सरकार ने इस सिलेंडर पर 19 रुपए कम किए थे।

जीएसटी भरने वाले व्यापारियों के लिए भी बदलाव हुआ है। 100 करोड़ का बिजनेस करने वाली कंपनियों को अब सात दिन में इनवॉइस रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर ट्रांजेक्शन रसीद अपलोड करनी होगी।

आखिर ऐसा क्या लगाया जो कुछ ही सालों में इतनी खूबसूरत हो गई ऐश्वर्या राय

नई दिल्ली। वैसे तो हम अपनी ही शक्ल अगर देखें तो कुछ ही सालों में कितना बदल जाती है कि कई बार अपनी पुरानी तस्वीरों को छुपाना पड़ाता। लगता है अगर कोई देखेंगा तो क्या कहेगा। सेलेब्स भी हमारी ही तरह है। शक्ल-सूरत में तो उनकी भी परिवर्तन आता है। नॉर्मल लोगों का तो समझ आता है लेकिन सेलेब्रिटी की पुरानी तस्वीरों को देखने का एक अलग ही क्रेज होता है लोगों में। इस समय लोग घरों में बैठे इस कारण वह सोशल मीडिया पर अपने फैंस का एंटरटेनमेंट करने के लिए काफी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। कुछ सेलेब्स ने अपनी बचपन की तस्वीर भी शेयर की है। कुछ ने अपने दोस्तों के साथ पुरानी यादें शेयर की है। हम आपको एक ऐसी तस्वीर दिखाने जा रहे हैं जो किसी फिल्मीज्ञान ने अपने तस्वीरों के भंडार से निकालकर शेयर की है। फिल्मीज्ञान ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐश्वर्या राय की एक ऐसी तस्वीर शेयर की है जिसे देखकर आप हैरान रह जाओगे। ये तस्वीर ऐश्वर्या राय की पुरानी तस्वीरों में से एक है। एश ने इसमें ब्लू कलर का ड्रेस पहन हुआ है। वह किसी बुटिक में खड़ी है जहां पीछे कुछ और ड्रेस रखी है। आप भी देखिए कि कुछ ही सालों में कितनी हद तक इंसान की सूरत बदल जाती है। आपको बता दें कि ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की शादी की सालगिरह 20 अप्रैल की थी। दोनों ने 20 अप्रैल 2007 में शादी की थी। दोनों की बहुत ही खूबसूरत बेटी आराध्या है।

भारत भूषण को बैजू बावरा ने दी नई दिशा

नई दिल्ली।भारत भूषण के अभिनय का सितारा निर्माता-निर्देशक विजय भट्ट की क्लासिक फ़िल्म बैजू बावरा से चमका। बेहतरीन गीत-संगीत और अभिनय से सजी इस फ़िल्म की गोल्डन जुबली कामयाबी ने न सिर्फ विजय भट्ट के प्रकाश स्टूडियो को ही डूबने से बचाया, बल्कि भारत भूषण और फ़िल्म की नायिका मीना कुमारी को स्टार के रूप में स्थापित कर दिया। आज भी इस फ़िल्म के सदाबहार गीत दर्शकों और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। ओ दुनिया के रखवाले...मन तड़पत हरि दर्शन को आज...तू गंगा की मौज में जमुना का धारा...बचपन की मुहब्बत को...इंसान बनो कर लो भलाई का कोई काम...झूले में पवन के आई बहार...और दूर कोई गाए...धुन ये सुनाए जैसे फ़िल्म के इन मधुर गीतों की तासीर आज भी बरकरार है। इसी फ़िल्म के लिए नौशाद ने तानसेन और बैजू के बीच प्रतियोगिता का गाना शास्त्रीय गायन के धुरंधर उस्ताद आमिर खान और पंडित डी.वी. पलुस्कर से गवाया। फ़िल्म की एक और दिलचस्प बात यह थी कि इसके संगीतकार, गीतकार, शकील बदायूंनी और गायक मोहम्मद रफी तीनों ही मुसलमान थे।

'काफिर' हुई दीया मिर्जा बोलीं- 'जल्द बताऊंगी कि क्या होने वाला है'

मुम्बई ।बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने वेब सीरीज 'काफिर' के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। उन्होंने इसे 'वास्तव में विशेष' करार दिया है। दीया ने पहाड़ों की एक खूबसूरत तस्वीर के साथ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है, 'यहां जो कुछ शुरू होने जा रहा है, वह वास्तव में खास है। आपको बहुत जल्द बताऊंगी कि क्या होने वाला है। तब तक के लिए मुझे मेरे देश की सरजमीं की सुंदरता का मजा लेने दीजिए।' एक बयान में कहा गया, दीया पिछली बार 'संजू' में दमदार किरदार निभाते हुए दिखाई दी थीं। वह जल्द ही 'काफिर' की शूटिंग शुरू करेंगी। सोनम नायर द्वारा निर्देशित और सिद्धार्थ मल्होत्रा द्वारा निर्मित 'काफिर' ओटीटी मंच जी5 पर दिखाई जाएगी। दीया वेब सीरीज में अधिवक्ता के किरदार में होंगी और अपने हिस्से की भूमिका में विश्वसनीयता लाने के लिए उन्होंने निर्देशक अतुल मोंगिया के साथ काम किया है। दीया ने एक बयान में कहा, 'एक वर्कशॉप एक गहन अध्ययन है, जिस किरदार को निभाना है उसकी खोज है। व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए किरदार को जानना बेहद जरूरी है। जिस व्यक्ति का किरदार निभा रही हूं, उसकी खोज की प्रक्रिया रोमांचक है।'दीया ने कहा, 'अतुल के साथ काम करना एक अनूठा और अद्भुत अनुभव था। मेरे द्वारा निभाया गया यह अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा था और मैं एक ऐसी कहानी का हिस्सा बनने पर खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं, जो सच्ची घटनाओं पर आधारित है।'

सलमान पर दिखने लगा लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी का असर? भाईजान ने मुंबई हवाई अड्डे पर कर दी ऐसा हरकत

मुम्बई। सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से कई बार धमकियां दी जा चुकी हैं। 'सिद्धू मूसेवाला की तरह ही सलमान खान का भी हाल कर दिया जाएगा' इस तरह के कई मेल मुंबई पुलिस के पास आ चुके हैं। ऐसी धमकियों के बीच सलमान खान की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया। सलमान खान ने अपने लिए एक दुबई से हाई बुलेटप्रूफ कार भी मंगवाई है। सलमान खान उसी गाड़ी से ही ट्रेवल करते नजर आते हैं। फिलहाल सलमान खान अपनी हालिया रिलीज किसी का भाई किसी की जान की महिमा का आनंद ले रहे हैं। एक कार्यक्रम के बाद दुबई से मुंबई लौटे अभिनेता हवाईअड्डे पर एक प्रशंसक द्वारा बॉलीवुड सुपरस्टार से हाथ मिलाने की कोशिश के बाद नाराज नजर आए। सलमान के चेहरे पर इस दौरान अजीब सा डर देखा गया। वीडियो के सोशल मीडिया पर आने के बाद फैंस कमेंट कर रहे हैं कि सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी का डर सता रहा है। इसी लिए वह इस तरह की हरकत कर रहे हैं अपने फैंस के साथ। सलमान खान दुबई से मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंचे। अभिनेता को देखकर भीड़ पागल हो गई और उन्हें घेर लिया। अपने सुरक्षा और अंगरक्षक शेरा से घिरे होने के बावजूद, उनके प्रशंसकों ने तस्वीरों और हाथ मिलाने के लिए अभिनेता तक पहुंचने की कोशिश की। एक प्रशंसक द्वारा की गई ऐसी ही एक कोशिश से लगता है कि अभिनेता नाराज हो गये। हवाई अड्डे पर एक लगातार प्रशंसक जिसने जल्दी से हाथ मिलाने की उम्मीद में सलमान के पास जाने की कोशिश की, उसने अपना हाथ बढ़ाया लेकिन अभिनेता और उसके अंगरक्षक ने उसे पीछे धक्का दे दिया। वीडियो में दिखाया गया है कि बजरंजी भाईजान गुस्से में कुछ बुदबुदाते हुए नजर आये। सलमान खान आखिरी बार किसी का भाई किसी की जान में नजर आए थे। इसमें पूजा हेडगा, शहनाज गिल, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, वेंकटेश और अन्य ने भी अभिनय किया। येंतम्मा में राम चरण की विशेष भूमिका है। यह फिल्म 21 अप्रैल, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित और सलमान खान फिल्म्स द्वारा निर्मित है।

भारतीय सिनेमा के पहले वैश्विक स्टार शशि कपूर

मुम्बई। कभी-कभी कुछ ज्यादा खूबसूरत होना अड़चन बन जाता है। शशि कपूर अगर थोड़े कम खूबसूरत, थोड़े कम आकर्षक होते तो हिंदी सिनेमा की दिग्गज शख्सियतों में कब के शुमार हो गए होते। फिल्म निर्माता उनके 'लुक' को भुनाना चाहते थे और उन्होंने रोमांटिक सितारे के बतौर उन्हें पेश किया। लेकिन उनके 77वें जन्मदिन के कुछ दिन बाद ही भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए उन्हें 2014 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार दिए जाने का ऐलान शायद इस नाइंसाफी को कुछ कम कर दे। इससे फिल्म आलोचक और इतिहासकार न सिर्फ उनकी सदाबहार अदाकारी बल्कि जोखिम मोल लेने वाले एक फिल्म निर्माता और थियेटर में उनके योगदान का नए सिरे से पुनर्मूल्यांकन करने को प्रेरित होंगे।

शशि कपूर फिल्म स्टार नहीं बनना चाहते थे। 15 साल की उम्र में वे अपने पिता पृथ्वीराज कपूर के पृथ्वी थिएटर में 75 रु। मासिक पर काम करने लगे। 1960 में थिएटर बंद होने तक वे वहीं काम करते रहे। वे थिएटर के हर फन में माहिर होना चाहते थे। अभिनय से लेकर मंच पर रोशनी की व्यवस्था, साज-सज्जा और पूरे प्रबंधन तक, वे सबको साध लेना चाहते थे। वे सिनेमा के तकनीकी पहलुओं को जानने को उत्सुक थे और पृथ्वी थिएटर से लेकर बड़े भाई राज कपूर के आर।के। स्टुडियो के बीच झूलते रहते। राज कपूर ने उन्हें स्टुडियो के सबसे ऊपर लाइटिंग के अध्ययन के लिए भेज दिया और नसीहत दी थी, 'गर्मी को महसूस करो।' उन्हें अपने दोनों बड़े भाइयों से ज्यादा ही गर्मी का एहसास करना पड़ा। दोनों ही काम के मामले में कड़क थे। उन्हें राज और शम्मी कपूर की छोड़ी गई भूमिकाएं भी निभानी पड़ीं। उन्हें अक्सर पृथ्वी थिएटर की नाटक मंडली के बाहरी दौरों में बतौर एक्स्ट्रा साथ में जाना पड़ता। जब वे सहायक स्टेज मैनजर बना दिए गए तो उन्हें कई बार ट्रक के ऊपर बैठकर मंच की साज-सज्जा और कपड़ों की रखवाली करनी पड़ती थी। आग (1948) और आवारा (1951) में राज कपूर के छुटपन की भूमिकाएं निभाते हुए उन्हें बचपन में स्टार भी बनना पड़ा।

डबल शिफ्ट उनके शुरुआती करियर का हिस्सा था। वे पृथ्वी थिएटर और शेक्सपियराना में बारी-बारी जाते। शेक्सपियराना भी घुमंतू थिएटर कंपनी थी, जिसे जेनिफर केंडल के पिता ज्याफ्री केंडल चलाते थे। जेनिफर बाद में उनकी पत्नी बनीं। 18 वर्ष की उम्र में शशि कपूर की मुलाकात जेनिफर से हुई थी। एक ओर वे उस वक्त के समकालीन हिंदी थिएटर (शकुंतला एक अपवाद है) में सक्रिय थे तो दूसरी ओर शेक्सपियर के नाटकों में भी। उन्होंने मर्चेंट ऑफ वेनिस में ग्रातियानो और ओथेलो में कैसियो की भूमिका निभाई।

वे 1963 तक शेक्सपियराना के साथ रहे। शायद वहीं उनके अभिनय में निखार आया। वे पक्के जेंटलमैन और कुछ हद तक अंग्रेज बन गए। उन्होंने मुझे पेनांग रेस्तरां का किस्सा बताया था जब उन्होंने 'एक बॉवेल राइस' मंगाए। यह सुनकर ज्याफ्री चौंक गए थे, जिनसे उनकी पटती नहीं थी। ज्याफ्री अपनी बियर छोड़कर आए और कहा, 'बावेल नहीं बेवकूफ, बॉल।' इस तरह दोनों में बातचीत शुरू हो गई।

20 वर्ष की उम्र में शशि कपूर की शादी हुई और अपने पहले बच्चे कुणाल के जन्म के समय उनकी उम्र 21 वर्ष थी। इससे फिक्रमंद होकर वे बेमन से हिंदी फिल्मों में काम करने लगे। हालांकि 1961 में चार दीवारी से शुरू होकर यश चोपड़ा निर्देशित धर्मपुत्र तक, उनकी शुरुआती कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नाकाम रहीं। आखिर पांच साल बाद फ्लॉप फिल्मों का यह दौर टूटा और उनकी जब जब फूल खिले (1965) कामयाब रही, जिसकी हीरोइन नंदा थीं। यह जोड़ी सात फिल्मों तक बनी रही।

शायद राज कपूर ने नंदा से कहा था कि वे उनके छोटे भाई का 'ख्याल' रखें। 1960 के दशक के आखिरी वर्षों में उनकी कई रोमांटिक कॉमेडी फिल्में हिट हुईं। इनमें प्यार का मौसम (1968), आ गले लग जा और हसीना मान जाएगी (1969) थीं। 1970 के दशक में उनका जलवा रहा और अमिताभ बच्चन के साथ उनकी दीवार (1975), कभी-कभी (1976), त्रिशूल (1978) और सुहाग (1979) जैसी सफल फिल्में आईं। यह जोड़ी 1990 के दशक के शुरुआती वर्षों में भी सिलसिला (1981) और नमक हलाल (1982) जैसी सफल फिल्में देती रही। इंडस्ट्री में तो यह गलत मजाक आम हो गया था कि शशि कपूर बच्चन की पसंदीदा हीरोइन हैं।

अगर शशि कपूर ने दीवार में उम्दा किरदार नहीं निभाया होता तो वह हिंदी सिनेमा में 'मील का पत्थर' नहीं बनती। अपनी भूमिका को संयत रख उन्होंने परदे पर बिगड़ैल भाई अमिताभ की अतिनाटकीय भूमिका को संतुलित बना दिया। उनकी अभिनय क्षमता उन फिल्मों में खिलकर उभरती है जिनमें वे इनसानी प्रवृत्ति की पेचीदगियों को उभारते हैं। खासकर उन दो फिल्मों में जिनके निर्माता वे खुद और निर्देशक श्याम बेनेगल थे। जुनून में वे पागलपन की हद तक प्रेम का इजहार करते हैं तो महाभारत में आधुनिक दौर के कर्ण का किरदार निभाते हैं। उन्होंने उसकी पीड़ा, हताशा और चतुराई का बखूबी प्रदर्शन किया है। शशि कपूर शायद भारतीय सिनेमा के पहले असली अंतरराष्ट्रीय स्टार हैं। सिर्फ साबू दस्तगीर को इसका अपवाद कहा जा सकता है जो हॉलीवुड में मोगली बने थे। शशि ने मर्चेंट-आइवरी की छह फिल्मों में काम किया। शुरुआत 1963 में हाउसहोल्डर से हुई। दो साल बाद शेक्सपियर-वाला आई। 1970 में बॉम्बे टॉकी और 1982 में हीट ऐंड डस्ट। हीट ऐंड डस्ट ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाई। उसमें वे रूमानी पर चालाक नवाब की भूमिका में हैं। शेक्सपियर-वाला व्यावसायिक तौर पर नाकाम रही पर अंतरराष्ट्रीय निर्देशकों की नजर उन पर पड़ी। प्रेटी पॉली (1967) में वे हेले मिल्स के साथ रोमांटिक किरदार में उतरे, जिसके निर्देशक ऑस्कर पुरस्कार प्राप्त गाइ ग्रीन थे। अमेरिकी निर्देशक कोनार्ड रुक्स ने उन्हें 1972 में सिद्धार्थ में लिया। अमेरिकी निर्देशक जेक्स आइवरी ने मुझसे कहा था कि शशि कपूर भारत में कैरी ग्रांट जैसे अभिनेता हो सकते थे, बशर्ते उन्हें अच्छे निर्देशक मिलते। उनका यह भी मानना था कि वे इनसान के स्याह पक्ष को उभारने में माहिर थे। बॉम्बे टॉकी पर चर्चा में उन्होंने कहा, 'सबका स्याह पक्ष होता है और शशि इसे उभारने में सक्षम हैं।'अंतरराष्ट्रीय निर्देशकों ने उनके स्याह पक्ष को उभारा, चाहे वह द डिसीवर (1988) में चालाक भद्रपुरुष हो जो ठगी करता है या हनीफ कुरैशी की पटकथा पर आधारित स्टीफन फरीयर्स के सैमी ऐंड रोजी गेट लेड (1987) में मतलबी पाकिस्तानी बिजनेसमैन। दिवंगत फिल्म समीक्षक पॉलीन केल ने उनकी काफी तारीफ की थी। उनकी अन्य अंतरराष्ट्रीय भूमिकाओं में टॉनी गर्बर की साइड स्ट्रीटस (1998) में बुरे दौर से गुजर रहे न्यूयॉर्क के बॉलीवुड ऐक्टर का किरदार तो जमील देहलवी की जिन्ना (1998) में फरिश्ते जिब्राल का किरदार है। उन्होंने एनबीसी की टीवी शृंखला गुलिवर्स ट्रैवल्स में भी भूमिका निभाई थी। शशि कपूर की सबसे यादगार भूमिका निर्माता के रूप में है। बाकी लोगों के उलट, वे अपनी बनाई छह फिल्मों के फाइनेंसर भी थे। यह कपूर परिवार की खासियत है। राज कपूर ने फिल्म बनाने के लिए अपनी पत्नी के जेवर बेच दिए तो छोटे भाई ने 36 चौरंगी लेन बनाने के लिए मुंबई के उपनगर पनवेल की अपनी 18 एकड़ जमीन बेच दी थी।

सड़क पर बिंदास हो कर क्यों नाच रहे हैं अर्जुन और रणवीर

नई दिल्ली। सुपरहिट फिल्म गुंडे में साथ काम कर चुके रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर के इस अनोखे बॉन्ड को कई बार तस्वीरों और वीडियों में कैद किया जा चुका हैं। बॉलीवुड के गुंडो के बारे में तो आपने सुना ही होगा, फिलहाल बॉलीवुड के सबसे अच्छे दोस्त अर्जुन कपूर और रणवीर सिंह ही गुंडे हैं। दोनों की दोस्ती काफी गहरी है। सुपरहिट फिल्म गुंडे में साथ काम कर चुके रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर के इस अनोखे बॉन्ड को कई बार तस्वीरों और वीडियों में कैद किया जा चुका हैं। दोनों के बॉन्ड की एक और तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। इस तस्वीर मे अर्जुन कपूर और रणवीर सिंह सड़क पर नाचते हुए नजर आ रहे हैं।

राशिफल

मेष-ःतली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-ःजीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-ःक्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-ःआज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-ःआपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-ःप्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-ः जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नज़रंदाज़ करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-ःछात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-ःइससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-ःलंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-ःभावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-ःआज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

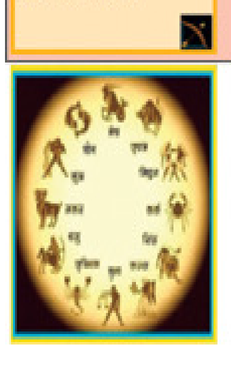

जब करीना कपूर और करण जौहर के झगड़े का कारण बन गया था पैसा

मुम्बई। करण जौहर और करीना कपूर के बीच बहुत अच्छी दोस्ती और प्यार है। दोनों एक दूसरे के साथ काम भी कर चुके हैं। मगर क्या आप जानते हैं एक वक्त था जब 19 साल की करीना कपूर और करण जौहर के बीच झगड़ा हो गया था। दोनों की सालभर तक बातचीत भी बंद रही थी। आइए बताते हैं क्यों और कैसे ये सब हुआ था। एक समय था जब करण जौहर और करीना कपूर खान का झगड़ा हो गया था। ऐसा मनमुटाव हुआ था कि दोनों ने एक दूसरे से नजरें तक मिलाना बंद कर दिया था। खुद करण जौहर ने अपनी किताब 'एन अनसूटेबल बॉय' में इस किस्से का जिक्र किया था। वही करीना कपूर, जिन्होंने करण जौहर की 'कभी खुशी कभी गम' में 'पू' बनकर बिजलियां गिराई थीं। करण तो पहली बार में ही करीना कपूर को देखकर अपनी हिरोइन मान बैठे थे, मगर आगे चलकर दोनों के बीत ऐसी तकरार हुई कि सालभर दोनों ने एक दूसरे की शक्ल तक नहीं देखी। ये बात करीब 20 साल पुरानी। जब करण जौहर 'कुछ कुछ होता है' और 'कभी खुशी कभी गम' से इंडस्ट्री में न केवल अपने पैर जमा चुके थे बल्कि इंडस्ट्री में धाक जमाने की तैयारी भी कर चुके थे। महज 25 और 26 साल के लड़के ने देश की सुपरहिट फिल्म देकर सबको सकते में ला दिया था। जिस उम्र में लड़के अपने शौक पूरा करते हैं, उस उम्र में करण जौहर ने पिता का बिजनेस संभालने की तैयारी कर ली थी।

करण जौहर की करीना कपूर के साथ पहली मुलाकात हुई थी बॉम्बे टाइम्स की पार्टी में। सिर्फ 18 साल की करीना कपूर का गजब का कॉन्फिडेंस देखकर करण जौहर उनसे इंप्रेस हो गए थे। उनका पार्टी में आत्मविश्वास ऐसा था जैसे उन्होंने कई हिट फिल्में दे दी हैं। मगर तब तक उन्होंने एकमात्र अभिषेक बच्चन के अपोजिट 'रिफ्यूजी' साइन की थी। तभी करण जौहर ने सोच लिया था कि वह 'पू' किरदार के लिए करीना कपूर को ही लेंगे। ये हुआ भी। करीना कपूर ने करण जौहर के साथ 'कभी खुशी कभी गम' में काम किया। उनका रोल सबको पसंद भी आया। मगर आगे चलकर दोनों के बीच तनाव हो गया था। करण जौहर बॉक्स ऑफिस पर हैट्रिक लगाने की

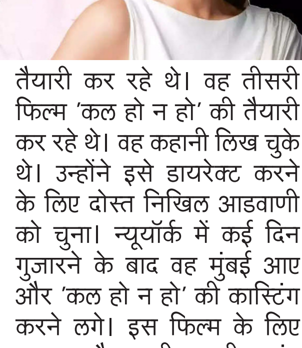

तैयारी कर रहे थे। वह तीसरी फिल्म 'कल हो न हो' की तैयारी कर रहे थे। वह कहानी लिख चुके थे। उन्होंने इसे डायरेक्ट करने के लिए दोस्त निखिल आडवाणी को चुना। न्यूयॉर्क में कई दिन गुजारने के बाद वह मुंबई आए और 'कल हो न हो' की कास्टिंग करने लगे। इस फिल्म के लिए करण जौहर की पहली पसंद करीना कपूर थीं जिन्होंने इस फिल्म को करने से मना कर दिया था। करण जौहर चाहते थे कि 'कल हो न हो' में करीना कपूर काम करें। तब वह बेबो के पास गए और फिल्म को लेकर बात की। तब करीना ने कहा कि 'मैंने अभी अभी 'मुझसे दोस्ती करोगी' में काम किया। इसे आदित्य चोपड़ा के असिस्टेंट कुणाल कोहली ने बनाया था। अब तुम्हारी फिल्म निखिल बना रहे हैं। मुझे उनपर विश्वास नहीं है।'

करण जौहर ने खुद अपनी किताब 'एन अनसूटेबल बॉय' में बताया था कि ''कल हो न हो' के लिए करीना कपूर ने इतनी भारी भरकम फीस मांग ली थी जितनी शाहरुख खान को मिल रही थी। फिर क्या मैंने मना कर दिया। क्योंकि उस वक्त हमारी हालत ठीक नहीं थी। मैंने उस दौरान करीना कपूर को फोन भी किया था और उन्होंने नहीं उठाया। बस फिर हमने बातचीत बंद हो गई। करीब सालभर हमने एक दूसरे से बात नहीं की। पार्टी में भी अनदेखा कर देते थे।'

करण जौहर और करीना कपूर की बातचीत दोबारा तब शुरू हुई जब एक्ट्रेस को पता चला कि करण के पिता यश जौहर को कैंसर हो गया है। तब डायरेक्टर पिता के साथ न्यूयॉर्क में थे और पिता का इलाज करवा रहे थे। तब करीना ने फोन किया और पिता का हालचाल लिया। फिर दोबारा दोनों की बात सामान्य हो गई।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।